04 - प्रधानमंत्री मोदीजी के सेवा, सुरक्षा और सुशासन के स्वर्णिम...

05 - लोकतंत्र की आत्मा विचारों के मतभेद में समाहित है : नेहरू

A Daily News Magazine

इंदौर

बुधवार, 27 मई, 2026

06 - ई-साइकिलों के प्रयोग से महिला कर्मयोगियों को मिलेगी शक्ति...

07 - ताप्ती और शनि सरोवर को गंदे पानी से मिलेगी राहत

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 234, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

अब नागा-कुकी टकराव से मणिपुर में नई चिंता बढ़ी

अनन्या भारद्वाज और मौसमी दास गुप्ता

मणिपुर में गैर-आदिवासी मैतेई और आदिवासी ईसाई कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष भड़कने के तीन साल से थोड़ा अधिक समय बाद, राज्य सरकार और सुरक्षा तंत्र हाल की उन घटनाओं को लेकर बढ़ती चिंता में हैं जिनमें नागा, जो एक और आदिवासी समुदाय है, कुकी समुदाय के साथ टकराव में आए हैं.

नागा, जो मणिपुर की लगभग 24 प्रतिशत आबादी हैं और मुख्य रूप से पहाड़ी जिलों उखरुल, सेनापति, चंदेल, तेंगनौपाल और तमेंगलोंग में बसे हैं, वे मई 2023 से शुरू हुए मैतेई-कुकी संघर्ष से ज्यादातर दूर रहे थे.

हालांकि, फरवरी से नागा और कुकी के बीच कम से कम 17 हिंसक घटनाएं हुई हैं, जिनमें दोनों तरफ लगभग एक दर्जन लोगों की मौत हुई है. दोनों समुदायों के घरों में तोड़फोड़ और आगजनी की गई है. पिछले हफ्ते तनाव फिर बढ़ गया जब दोनों तरफ से 44 नागा और कुकी नागरिकों को बंधक बनाया गया. हालांकि ज्यादातर अपहृत लोगों को छोड़ दिया गया है, लेकिन 14 कुकी अभी भी नागाओं के पास बंधक हैं, जबकि छह नागा पुरुष कथित तौर पर कुकी के पास बंधक हैं.सुरक्षा तंत्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दिप्रिंट को बताया कि हाल की घटनाओं में बढ़ोतरी के साथ उनकी प्राथमिक चिंता अब 'मैतेई-कुकी से हटकर नागा-कुकी' हो गई है.

'ध्यान इस पर है कि नागा और कुकी के बीच किसी भी ऐसी घटना को फैलने से रोका जाए. रैपिड एक्शन फोर्स की दो कंपनियां पहले ही घाटी से हटाकर कांगपोकपी और सेनापति भेजी जा चुकी हैं, जहां कुकी और नागा साथ रहते हैं,' उस अधिकारी ने कहा, जिन्होंने नाम नहीं छापने की शर्त रखी.अधिकारी ने बताया कि शुरुआत में जब उखरुल के लितान गांव में पहली घटना हुई, तो टांगखुल नागा और कुकी के बीच टकराव हुआ था. धीरे-धीरे, लेकिन अन्य नागा जनजातियां जैसे रोंगमेई, लियांगमेई और जेलियांग भी इसमें शामिल हो गईं. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, दोनों समुदायों के बीच शुरुआती घटनाओं में से एक उखरुल में हुई थी, जब एक नागा शिक्षक ने इलाके से गुजरते हुए कुछ कुकी युवकों को बैठकर शराब पीते देखा. उन्होंने कथित तौर पर उन्हें रोकने को कहा, जिससे विवाद हो गया.इसके बाद दोनों पक्षों ने आरोप और प्रत्यारोप लगाए. नागाओं ने कुकी पर वसूली के आरोप लगाए, आरोप लगाया कि उनमें से कुछ उग्रवादी संगठनों से जुड़े हैं, और कथित तौर पर उन्हें उखरुल छोड़ने को कहा. जवाब में कुकी ने भी नागाओं पर ऐसे ही आरोप लगाए, जिससे तनाव और बढ़ गया.यह टकराव जल्द ही झगड़ों और फिर हिंसा में बदल गया, जिससे फरवरी से लगातार नागरिकों के अपहरण, बंधक संकट और गाँवों में आगजनी का सिलसिला शुरू हो गया.अधिकारियों की चिंता बेवजह नहीं है. नागा और कुकी के बीच लंबे समय से संघर्ष का इतिहास रहा है. आखिरी बड़ा टकराव 1992 में हुआ था, जो पाँच साल से अधिक चला था. इसमें लगभग 1,000 लोग मारे गए थे और हजारों विस्थापित हुए थे. 2016 में यूनाइटेड नागा काउंसिल ने राष्ट्रीय राजमार्ग 2 और 37 को 136 दिनों तक बंद रखा था ताकि उस समय ओक्रम इबोबी सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार द्वारा मणिपुर में सात नए जिलों—जिरीबाम, कांगपोकपी, काकचिंग, तेंगनौपाल, नोनी, फेरज़ावल और कांगपोकपी—के गठन का विरोध किया जा सके. नागाओं का कहना था कि ये जिले उनके पूर्वजों की जमीन पर अतिक्रमण करके बनाए गए हैं.

नागा की भागीदारी के पीछे क्या है- मणिपुर सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों ने दिप्रिंट को बताया कि नागाओं के कुकी संघर्ष में शामिल होने के पीछे कोई एक कारण नहीं है. उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक आकांक्षाओं, जमीन और संसाधनों को लेकर असुरक्षा, और नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड (NSCN-IM) के इसाक-मुइवा गुट के भीतर विभाजन, और अलग हुए गुटों जैसे ईस्टर्न फ्लैंक द्वारा प्रभाव बढ़ाने की कोशिशों का मिश्रण है.'यह बहुत जटिल है. नागाओं के इस संघर्ष में खिंचने के पीछे कई कारण हैं. राजनीतिक आकांक्षाओं के अलावा, एक कारण अपनी जमीन को लेकर असुरक्षा भी हो सकती है,' एक अधिकारी ने कहा.अधिकारी ने कहा कि नागा अपनी जमीन को लेकर बहुत संवेदनशील हैं. 'हालांकि दोनों समुदाय वर्षों से साथ रहते आए हैं, लेकिन कुकी द्वारा अलग प्रशासन की मांग के साथ नागा को यह डर हो सकता है कि इससे कुकी उनकी जमीन पर दावा कर सकते हैं,' एक अधिकारी ने कहा.एक और मुद्दा दोनों समुदायों के बीच संसाधनों का बंटवारा है. घाटी क्षेत्रों से कुकी के विस्थापन के बाद कई लोग पहाड़ियों में चले गए, जिनमें नागा क्षेत्रों में बसे इलाके भी शामिल हैं, जिससे स्थानीय संसाधनों पर दबाव बढ़ गया. अब जब कुकी अधिक मुखर हो रहे हैं, तो नागाओं के साथ तनाव बढ़ गया है, जिससे छोटे विवाद भी अब टकराव का रूप लेने लगे हैं.'पच्चीस साल पहले, कुकी नागाओं को टैक्स देते थे क्योंकि वे नागा गांवों में रहते थे. उन्होंने यह लिखित रूप में भी दिया था कि वे नागा क्षेत्रों में रह रहे हैं, इसके लिए आभारी हैं और संसाधनों के उपयोग के लिए अपना हिस्सा देंगे. अब वे ऐसा नहीं कर रहे हैं, जो एक विवाद का कारण बन गया है,' एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया.अधिकारी ने कहा कि कुकी—जिनके पास उग्रवादी समूह और हथियार भी हैं—अब अपने प्रभाव को अधिक मजबूती से दिखा रहे हैं, और नागा जिन संसाधनों को अपना मानते हैं वहाँ उनकी मौजूदगी असंतोष का कारण बन गई है.अधिकारी ने आगे बताया कि यह संघर्ष आर्थिक कारणों से भी जुड़ा है. वांगली-दीमापुर सड़क अब एक महत्वपूर्ण मार्ग बन गई है; पहले मोरेह का यही महत्व था. इस रास्ते से अधिकतर व्यापार और कुछ हद तक तस्करी भी होती है. इस मार्ग पर नियंत्रण भी दोनों समुदायों के बीच एक बड़ा विवाद बन बन गया है, एक खुफिया स्रोत ने बताया.सरकार का एक हिस्सा यह भी मानता है कि कुकी-नागा झड़पें कुछ हितधारकों द्वारा युनाम खेमचंद सिंह की तीन महीने पुरानी सरकार को अस्थिर करने की कोशिश हो सकती हैं. 'राष्ट्रपति शासन के दौरान हिंसा कम हो गई थी, लेकिन नई सरकार बनने के बाद अचानक फिर से हिंसा बढ़ गई है,' एक वरिष्ठ राज्य सरकार अधिकारी ने कहा.सिंह को राज्य में एक साल की राजनीतिक अनिश्चितता के बाद मुख्यमंत्री बनाया गया था, जब पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने इस्तीफा दिया और राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया गया था.सुरक्षा एजेंसियां NSCN-IM और ईस्टर्न फ्लैंक के बीच दरार को भी इस संघर्ष के लिए जिम्मेदार मानती हैं—जो अप्रैल 2024 में NSCN-IM से अलग हुआ था—और दोनों गुट कथित तौर पर नागा बहुल क्षेत्रों में अपना दबदबा बनाने की कोशिश कर रहे हैं. 'हमें हाल की झड़पों में अलग-अलग एनएससीएन गुटों के कैडरों की भागीदारी की जानकारी मिली है. 28 मार्च को कामजोंग जिले के होंगबेई गांव में NSCN-IM और ईस्टर्न फ्लैंक के बीच घात लगाकर हमला हुआ था, जिसमें बाद वाले के चार कैडर मारे गए,' पहले बताए गए सुरक्षा अधिकारी ने कहा.अधिकारी ने आगे कहा कि तीन दिन बाद उखरुल में भीड़ ने NSCN-IM के शीर्ष नेताओं के घरों में तोड़फोड़ की, जिनमें वी. एस. अतेम भी शामिल हैं, जो NSCN-IM के महासचिव थुइंगालेंग मुइवा के उप हैं. 'एनएससीएन के भीतर की दरार अब खुलकर सामने आ रही है, और अलग-अलग गुट अपने प्रभाव क्षेत्र स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं.'NSCN-IM पिछले दो दशकों से भारत सरकार के साथ शांति वार्ता में शामिल है. 2015 में फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर होने के बावजूद वार्ता में बहुत प्रगति नहीं हुई है.दिप्रिंट ने मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह और उपमुख्यमंत्री लोसी दीखो, जो नागा समुदाय से हैं, से कई बार कॉल और व्हाट्सएप संदेश के जरिए प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने जवाब नहीं दिया. जवाब मिलने पर इस रिपोर्ट को अपडेट किया जाएगा.

आरोप और प्रत्यारोप- ईस्टर्न फ्लैंक, नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड और कुकी समुदायों से जुड़ी मौजूदा झड़पें अब तक दोनों समुदायों के बीच मौजूद रहे समीकरणों के टूटने का संकेत देती हैं.

1992 के संघर्ष के बाद, जो पांच साल तक चला था, दोनों समुदायों ने सुलह कर ली थी और पहाड़ी इलाकों में साथ रहने लगे थे. 'सेनापति और उखरुल जैसे नागा बहुल जिलों में भी कुकी गांव हैं. कुकी बहुल जिलों में भी नागा, कुकी गांवों के पास रहते हैं. लेकिन अब परिस्थितियां कुछ हद तक बदल गई हैं, जहां ईस्टर्न फ्लैंक, NSCN और मैतेई उग्रवादी कमजोर कुकी समुदाय पर हमले कर रहे हैं और नागाओं को इसमें खींचने की कोशिश कर रहे हैं,' कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन (KNO) के प्रवक्ता सेलियन हाओकिप ने दिप्रिंट को बताया.केएनओ और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट (UPF) ने केंद्र और मणिपुर सरकार के साथ एक त्रिपक्षीय समझौता किया है, जिसे सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (SOO) कहा जाता है, जिसका उद्देश्य शत्रुता को समाप्त करना, राजनीतिक बातचीत करना और संवैधानिक ढांचे के भीतर स्वशासन की मांगों का समाधान करना है.हाओकिप के अनुसार, कुछ नागाओं को मैतेई लोगों द्वारा भी भड़काया जा रहा है. 'कुकी और नागा कई पीढ़ियों से साथ रहते आए हैं. उखरुल जिले के लितान गाँव में 7 फरवरी की घटना दो नशे में धुत लोगों—एक टांगखुल और एक कुकी—के बीच हुई एक अलग झड़प थी. दोनों समुदाय इस मुद्दे को सुलझाना चाहते थे, लेकिन अगले दिन हथियारबंद टांगखुल लोगों ने हमारे गांव को जला दिया. इसके बाद स्थिति बिगड़ती चली गई,' उन्होंने कहा और जोड़ा कि अधिकतर टांगखुल और NSCN-IM संघर्ष नहीं चाहते.हाओकिप ने आगे कहा, 'पूर्व-औपनिवेशिक समय में मैतेई और कुकी के बीच अच्छे संबंध थे. ब्रिटिशों ने प्रशासनिक सुविधा के लिए उन्हें एक साथ जोड़ दिया था. हाल के समय में कुकी समुदाय को बार-बार उकसावे का सामना करना पड़ा है. हम अपने पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व चाहते हैं. लेकिन हमें अपने लोगों की रक्षा करनी है और अपने गाँवों को जलने से बचाना है; हमें आत्मरक्षा करनी होगी. 'दूसरी ओर, नागा समुदाय कुकी पर यह आरोप लगाता है कि उन्होंने 13 मई को कांगपोकपी जिले के लेइलोन गाँव से अपहृत अपने छह लोगों को अभी तक नहीं छोड़ा है.यूनाइटेड नागा काउंसिल (NC) की वर्किंग कमेटी के सचिव ए.सी. थोत्सो ने दिप्रिंट को बताया कि कुकी समुदाय ने उस आतिथ्य को भूल दिया है जो नागाओं ने मैतेई-कुकी संघर्ष के चरम पर उन्हें दिया था. 'उन्होंने हमारी मेहमाननवाजी का जवाब गोलियों से दिया—खुद को पीड़ित दिखाते हुए आक्रामक बनकर,' उन्होंने कहा.थोत्सो ने आगे कहा कि कुकी अब नागाओं और उनके इतिहास पर हमला कर रहे हैं, क्योंकि वे नागा क्षेत्र में अलग प्रशासन की मांग कर रहे हैं. 'उन्होंने हमारी उदारता को हल्के में लिया है. कुकी जो कर रहे हैं वह हमारे इलाके में संगठित और समन्वित बाहरी आक्रमण का गंभीर रूप है. 'थोत्सो ने आगे कहा कि उनके पास इस बात के सबूत हैं कि कुकी सशस्त्र समूह, जिन्होंने केंद्र और मणिपुर सरकार के साथ सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (SOO) समझौता किया है, हाल की नागाओं पर हमलों में शामिल हैं. 'इससे गंभीर राजनीतिक सवाल उठे हैं, जो यह संकेत देते हैं कि एक प्रॉक्सी व्यवस्था उभर रही है जो हमारी जमीन, पहचान और नागा समुदाय के सामूहिक अधिकारों के लिए खतरा है. यह इंडो-नागा संघर्ष विराम शांति प्रक्रिया और एनएससीएन तथा भारत सरकार के बीच हुए फ्रेमवर्क समझौते को कमजोर करने की एक सुनियोजित नीति हो सकती है, और इसे गंभीर चिंता के साथ देखा जाना चाहिए,' उन्होंने कहा.

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

झुक गया है गुलमोहर बाम तक

खबर आएगी देखना शाम तक।

खास - खास में ही 'खास' बँट गया

आम आया ही कहां है 'आम' तक ।

सांस में जिनकी खुशबू से हम होते थे

जबॉ पे आता भी नहीं अब नाम तक ।

बैठ दिल्ली में दस बीस मुंह चलाते हैं

मरने जाता है एक फौजी लाम तक।

शेख साहब जरा उड़ेल दो तो मीना

तौबा हो जाए न अगले जाम तक।

हम काकरोच हैं बहुत पुराने हैं

रहेंगे क़ायम और इख़्तिमाम तक।।

- विवेक चतुर्वेदी

गृहमंत्री अमित शाह बोले-

बॉर्डर पर लगेंगे एंट्री ड्रोन सिस्टम

● राजस्थान में सांचू पोस्ट से पाकिस्तानियों को पीठ दिखाकर भागना पड़ा था

बीकानेर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बीकानेर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की सांचू पोस्ट का दौरा किया। इस दौरान प्रहरी सम्मेलन में कहा- मैं ऐतिहासिक चौकी सांचू पर आया हूं। मेरे मन में सांचू चौकी को देखने की इच्छा गृहमंत्री बनने से पहले भी थी। 1964 के भारत-पाक युद्ध में सांचू की आबादी 500 से ज्यादा थी। आरएसी की चौकी 500 मीटर पीछे रणजीतपुरा गांव में थी।

सूचना मिली थी कि सांचू पर कब्जा करने के लिए पाकिस्तान ने शुरुआत की थी। तब 3 आरएसी और 13 ग्रेनेडियर के जवानों ने हमला कर सांचू को भारत की सीमा में रखने का काम किया था। जवानों ने यह जिम्मेदारी निभाई और पाकिस्तानियों को पीठ दिखाकर भागना पड़ा था। उन्होंने कहा- सरकार अगले 6 महीने में ड्रोन रोधी संयंत्र लगाने की शुरुआत कर रही है। लेकिन ड्रोन यहां की जमीन पर उतरता है, इसे कौन रिसीव करता है, कौन उसके मटेरियल का उपयोग करता है, इस पर हमारी पैनीनजर होनी चाहिए।

इसके लिए सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। शाह मंगलवार सुबह करीब 11 बजे हेलिकॉप्टर से सांचू पहुंचे थे। उनके साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी थे।

घुसपैठ पर सरकार ने बनाई हाई लेवल कमेटी, जस्टिस नावलेकर होंगे अध्यक्ष

अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय परिवर्तन के देश के वर्तमान और भविष्य के लिए बहुत बड़ी चुनौती बताया है। घुसपैठ को लेकर सरकार ने एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। अमित शाह ने कहा कि घुसपैठ और अन्य कारणों से अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय परिवर्तन किसी भी राष्ट्र के वर्तमान व भविष्य के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में बनी इस कमिटी में जनगणना आयुक्त के साथ श्री दुर्गा शंकर मिश्रा रिटायर आईएएस श्री बालाजी श्रीवास्तव रिटायर आईपीएस और डॉ. शमिका रवि समिति के सदस्य होंगे। संयुक्त सचिव गृह मंत्रालय, इस समिति के सदस्य सचिव होंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जनसहयोग से पूर्ण हो रहे हैं लक्ष्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में विधिवत पूजन-अर्चन कर शिप्रा में अर्पित की चुनरी

जल संरक्षण में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को उज्जैन में शिप्रा तट पर रामघाट पर शिप्रा तीर्थ परिक्रमा में सहभागिता की। इस अवसर पर मुंबई से आए भारतीय नौसेना के बैंड ने रामघाट पर मनमोहक प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि उज्जैन सहित प्रदेशभर में गंगा दशहरा हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। मुंबई से आए भारतीय नौसेना के बैंड की प्रस्तुति ने सभी को आनंदित किया है। बैंड के सदस्यों ने संगीत मय कार्यक्रम से रामघाट पहुंचे नागरिकों को मनमोहक धुनें सुनवाकर इस शाम को यादगार बना दिया है। मोक्ष दायिनी मां शिप्रा की दो दिवसीय तीर्थ परिक्रमा मंगलवार को संपन्न हुई, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में विधिवत पूजन-अर्चन कर शिप्रा में चुनरी अर्पित की।

जल संचयन और जल संरक्षण में आगे है मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेशभर में जल गंगा संरक्षण अभियान के अंतर्गत उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। सभी प्रमुख तालाब, कुएं, बावड़ी, पोखर, नदियों के उद्गम स्थलों पर जनसहयोग के जरिए जल संचयन के लिए कार्य जारी हैं। अब तक लगभग 2 लाख से अधिक काम पूरे किए गए हैं। देश में जल संरक्षण की दिशा में कार्य करते हुए मध्यप्रदेश इस मामले में पहले स्थान पर है। इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य महंत श्री उमेश नाथ महाराज, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक श्री जितेंद्र पंड्या, उज्जैन के महापौर श्री मुकेश टटवाल, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री नवीन सोलंकी, नगर निगम की सभापति श्रीमती कलावती यादव, जिलाध्यक्ष श्री जगदीश अग्रवाल, ग्रामीण जिलाध्यक्ष श्री राजेश धाकड़, अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य श्री रामलाल मालवीय अनेक निगम-मंडलों के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

16 घंटे शिव तांडव से गूंजा बाबा का दरबार

● महाकाल को अखंड नृत्य से प्रसन्न करने में जुटे नन्हे कलाकार

उज्जैन (एजेंसी)। विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में हर उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। गंगा दशहरा के पावन पर्व पर भी हर साल की तरह इस साल भी लगातार 16 घंटे नृत्य आराधना चल रही है। 16 घंटे बिना रुके महाकाल के प्रांगण में करीब 60 नन्हे कलाकार अपनी प्रस्तुति दे रहे हैं। बाबा महाकाल को प्रसन्न करने के लिए गंगा दशहरा पर्व पर भगवान की आराधना नृत्य के माध्यम से की जा रही है। मंगलवार सुबह भस्म आरती के बाद शुरू हुई यह अखंड नृत्यांजलि देर रात शयन आरती तक लगातार 16 घंटे तक चलेगी। इस आयोजन में करीब 60 बच्चे और कलाकार भाग ले रहे हैं, जो बाबा महाकाल को नृत्य के माध्यम से प्रसन्न करने का प्रयास कर रहे हैं।

रसराज नृत्य संस्थान बाबा महाकाल को प्रसन्न करने के लिए पिछले 38 साल से यहां नृत्य करा रहा है। यह रसराज नृत्य संस्थान द्वारा आयोजित इस अखंड नृत्य साधना की 38वीं वर्षगांठ है।

● **झूम रहे नन्हे कलाकार-** इस आयोजन के लिए 5 से 50 साल तक की महिला कलाकारों ने एक महीने तक विभिन्न स्थानों पर अभ्यास किया। बच्चे और युवतियां शिव तांडव, पंचाक्षर स्तोत्र और भगवान शिव की आरती, गणेश वंदना, शिव स्तुति, माता स्तुति, प्रभु महिमा के साथ-साथ लोकगीत भजन आदि पर नृत्य की प्रस्तुति दी जा रही है।

● यूपी में आंधी-तूफान से 6 की मौत, बांदा में लगातार 8वें दिन तापमान 47 डिग्री पार

मानसून की मिजोरम में एंट्री, लेकिन अभी केरल से दूर

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ (एजेंसी)। मानसून ने मिजोरम के रास्ते देश में एंट्री कर ली है। एक्स पर की गई एक पोस्ट के मुताबिक इस साल मिजोरम में मानसून सामान्य समय से 6 दिन पहले ही आ गया है। हालांकि मौसम विभाग ने अभी तक मिजोरम में मानसून की एंट्री की पुष्टि नहीं की है।

दरअसल, मिजोरम में दक्षिण-पश्चिम मानसून की बंगाल की खाड़ी वाली ब्रांच से बारिश होती है। इसका असर उत्तर-पूर्व, पूर्वी और बाद में उत्तर भारत तक पड़ता है। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून को 26 मई तक केरल पहुंचना था, लेकिन पिछले तीन दिन से केरल से 30-35 किमी दूर अटका है। केरल के तटीय इलाके, तमिलनाडु और कर्नाटक में बारिश हो रही है।

इधर, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली-हिमाचल, यूपी, ओडिशा और तेलंगाना, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र का एमपी से लगे हिस्सा और छत्तीसगढ़ में गर्मी का सबसे खतरनाक दौर चल रहा है। यूपी के बांदा और विदर्भ का ब्रह्मपुरी में सबसे ज्यादा गर्म रहे। यहां लगातार 8वें दिन 47 डिग्री से ज्यादा तापमान दर्ज किया गया।

सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार, 27 मई 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

भारतीय रेलवे ने दी पहली हाइड्रोजन ट्रेन के ट्रायल को मंजूरी

● दिल्ली डिवीजन के जींद-सोनीपत खंड पर होगा ट्रायल

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने देश की पहली हाईड्रोजन ट्रेन के ट्रायल को लेकर मंजूरी दे दी है। इसको लेकर रेलवे बोर्ड ने 22 मई, 2026 को आरडीएसओ और उत्तरी रेलवे को लिखे पत्र में 10 डिब्बों वाली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू करने की स्वीकृति दी है।

रेलवे बोर्ड ने यह भी बताया कि यह ट्रेन दिल्ली डिवीजन के जींद-सोनीपत खंड पर अधिकतम 75 किमी प्रति घंटे की गति से चलेगी। इसे रेलवे में तकनीकी कायाकल्प के लिहाज से एक बड़ी सफलता के तौर पर देखा जा रहा है। रेलवे बोर्ड ने लिखा पत्र-भारतीय रेलवे ने अपने पत्र में लिखा, रेलवे सुरक्षा के मुख्य आयुक्त ने

16.03.2026 को भेजे गए आवेदन के संबंध में रेल मंत्रालय की स्वीकृति के संबंध में रेलवे बोर्ड उत्तरी रेलवे के समर्पित खंड (जिंद-सोनीपत) पर 75 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति तक चलने वाले 10 डिब्बों की हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित डीपीआरएस 1200 किलोवाट डीएमयू कोचों को शुरू करने की अनुमति दी गई है।

भारत के लिए क्यों अहम?

जानकारी के मुताबिक ट्रेन का परिक्षण पूरा हो गया है। यह परीक्षण मूल्यांकन प्रक्रिया के एक भाग के रूप में अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा आयोजित किया गया था। इसके व्यावसायिक सेवा में शामिल होने के साथ ही भारत, जर्मनी, स्वीडन, जापान और चीन सहित उन चुनिंदा वैश्विक देशों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा जो हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनों का संचालन करते हैं।

राम दरबार की प्राण-प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ

● सुबह में मंगला आरती हुई, 56 भोग लगाया, माँ सरयू की महाआरती

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में राम परिवार यानी राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ मंगलवार को मनाई गई। पूरे दिन सुबह से लेकर रात तक अलग-अलग आयोजन होंगे।

इस दौरान राम दरबार का विशेष श्रृंगार होगा। भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान जी का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक किया जाएगा। भगवान को 56 भोग लगाया जाएगा। मां सरयू की 5051 बत्ती की महाआरती उतारी।

सुबह 4 बजे मंगला आरती से हुई कार्यक्रमों की शुरुआत–सुबह 4 बजे भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान जी का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अभिषेक किया गया। इस दौरान कई संत और महंत परिसर में मौजूद रहे।

● अवैध खनन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

यूपी, मप्र, राजस्थान को फटकार; फर्जी नंबर वाले वाहनों पर कार्रवाई के निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंबल घड़ियाल अभयारण्य में लगातार बढ़ रहे अवैध रेत खनन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सख्त रुख अपनाया। अदालत ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकारों को तत्काल प्रभाव से प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि अवैध खनन रोकने के लिए राज्यों को निगरानी व्यवस्था मजबूत करनी होगी और खाली पड़े वन रक्षक पदों पर जल्द भर्ती करनी होगी।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। अदालत ने मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में बिना नंबर और बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों से अवैध रेत ढुलाई की मीडिया रिपोर्ट का भी संज्ञान लिया। कोर्ट ने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर रिपोर्ट सही है तो अधिकारियों ने अदालत में गलत हलफनामा दाखिल किया है।

● **सीसीटीवी और निगरानी व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश**– सुप्रीम कोर्ट ने तीनों राज्यों को प्रभावित इलाकों में सीसीटीवी कैमरे, कंट्रोल सेंटर और मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि यह काम युद्ध स्तर पर किया जाए और छह महीने के भीतर सभी निगरानी व्यवस्था पूरी तरह चालू होनी चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि जिन वाहनों का इस्तेमाल अवैध खनन में हो रहा है, उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए। फर्जी नंबर प्लेट या बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों को जब्त कर कानूनी प्रक्रिया शुरू करने के आदेश दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

'ढाई करोड़ की कार वाले गमले चुरा ले गए'

● लखनऊ में सीएम योगी बोले- मैंने सीसीटीवी देखा

लखनऊ (एजेंसी)। 'हम गमला लगाते हैं, तो कोई कार से आता है और गमला उठाकर ले जाता है। जितना कार का तेल लग रहा है, उतने में नया गमला ले सकते हो। ये चोरी का नया मॉडल है। अब हर जगह सीसीटीवी लगे हैं, हम उससे देखते रहते हैं। पता लगता है कि ढाई करोड़ की कार से 45 रुपए के गमले चुरा रहे हैं। 45 रुपए के गमले खरीदकर आप घर में लगा सकते थे। आपका सम्मान भी रहता और शहर भी अच्छा दिखता। एक बार तो मेरे मन में आया था कि गमला चोरी करने वालों की फोटो चौराहे पर लगवाऊं, क्योंकि जो पैसा हम खर्च कर रहे हैं, वह जनता का है।

मुंबई मीरा रोड में बकरीद से पहले बवाल

● बकरों की कुर्बानी को लेकर सोसायटी में भिड़े दो गुट

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के मीरा रोड इलाके में ईद उल अजहा से पहले उस समय तनाव फैल गया, जब एक हाउसिंग सोसायटी में कुर्बानी के लिए लाए गए बकरों को लेकर

विवाद शुरू हो गया। मामला पूनम क्लस्टर सोसायटी का बताया जा रहा है, जहां कुछ स्थानीय निवासियों ने परिसर के अंदर बकरों को रखने का विरोध किया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दो पक्षों के बीच झड़प की स्थिति बन गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में लेने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है, लेकिन एहतियात के तौर पर इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की है।

हाईकोर्ट ने सांसद शेख अब्दुल राशिद को अंतरिम जमानत दी

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को बारामूला सांसद शेख अब्दुल राशिद उर्फ इंजीनियर राशिद को अंतरिम जमानत दी। राशिद को यह राहत 25 जून से 30 जून तक पिता के निधन के बाद होने वाली रस्मों में शामिल होने के लिए दी गई है।18 मई को पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए दी गई अंतरिम जमानत 2 जून को समाप्त होने पर राशिद को आत्मसमर्पण करना होगा। इसके बाद वे 25 जून से 30 जून तक दोबारा रिहा हो सकेंगे।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने ड्रग तस्कर की 1.25 करोड़ की संपत्ति जब्त की

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को कठुआ जिले में एक ड्रग तस्कर की करीब 1.25 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति जब्त की। जब्त की गई संपत्ति में दुकानें और ढाबा शामिल हैं। यह संपत्ति सुदेश मेहता की बताई जा रही है। यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट के तहत की गई। पुलिस के मुताबिक, जांच के दौरान पता चला कि यह संपत्ति नशीले पदार्थों की तस्करी से कमाए गए पैसों से खरीदी गई थी। पुलिस टीम ने राजस्व, लोक निर्माण विभाग और सड़क एवं भवन विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में संपत्ति को औपचारिक रूप से जब्त किया।

140 से अधिक आवेदनों पर हुई सुनवाई, राजस्व मामलों के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

कलेक्टर की जनसुनवाई में उमड़ा जनसैलाब

बैतूल। प्रति मंगलवार आयोजित होने वाली जनसुनवाई इस बार कुछ अलग ही नजर आई। डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के स्वयं मुलताई में जनसुनवाई में शामिल होने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं लेकर जनपद कार्यालय पहुंचे। जनपद पंचायत मुलताई में आयोजित इस जनसुनवाई कार्यक्रम में 140 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें अधिकांश मामले राजस्व विभाग से संबंधित बताए गए। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने एक-एक आवेदक की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कई मामलों में मौके पर ही अधिकारियों को कार्रवाई के आदेश जारी किए गए।

अवैध कब्जे के मामले में एक सप्ताह में कार्रवाई के निर्देश– मुलताई निवासी कन्हैयालाल ने अवैध कब्जा हटाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने एसडीएम एवं पुलिस विभाग को संयुक्त रूप से मौके पर जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही कब्जा सही पाए जाने पर एक सप्ताह के भीतर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। वहीं ग्राम नीमनवाड़ा निवासी गुलाबराव धोटे ने कृषि भूमि के रिकॉर्ड में सुधार की मांग को लेकर आवेदन सौंपा। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार मुलताई को मामले का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

फिर उठी ताप्ती जलमार्ग एवं आरसीसी नाला निर्माण की मांग– जनसुनवाई में एक बार फिर ताप्ती क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था सुधारने की मांग प्रमुखता से उठी। ताप्ती वार्ड की पार्षद निर्मला उबनारे ने जिला कलेक्टर को आवेदन सौंपकर एसडीएमएफ योजना अंतर्गत वार्ड क्रमांक 1 में रेलवे स्टेशन से दुर्गा मठ तक आरसीसी नाले के निर्माण की मांग की। पार्षद ने बताया कि क्षेत्र में भवनों के पानी की समुचित निकासी नहीं होने से सड़कों और घरों में पानी भरने की समस्या लगातार बनी रहती है, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित नाला निर्माण कार्य की डीपीआर पूर्व में तैयार की जा चुकी है तथा इस पर लगभग 66.66 लाख रुपये की लागत आने का अनुमान है।

शुभेंदु सरकार की सख्ती के बाद हड़कंप

बांग्लादेश जाने के लिए बॉर्डर पर इकट्ठा हुए घुसपैठिए

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में अवैध घुसपैठ और बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई तेज होने के बाद सीमा क्षेत्रों में हलचल बढ़ गई है। उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट स्थित हाकिमपुर सीमा चेकपोस्ट पर मंगलवार सुबह बड़ी संख्या में संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक जुट गए।

इनमें पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को ट्राली, बर्तन व सामान के साथ सीमा पार कर वापस बांग्लादेश जाने की प्रतीक्षा करते देखा गया। सूत्रों के अनुसार, सोमवार को भी करीब 100 लोग सीमा चौकी के पास जमा हुए थे, जबकि बाहर 30 से 40 अन्य लोग इंतजार कर रहे थे।

म.प्र. पन्ना में खुदाई के दौरान कुआं धंसा, 5 की मौत

पन्ना (एजेंसी)। पन्ना जिले के एक खेत में कुएं की खुदाई के दौरान अचानक मिट्टी धंस गई। इसमें दबकर 5 मजदूरों की मौत हो गई। इनके नाम आशीष यादव, राजकुमार यादव, रामपाल यादव, चुन्नू यादव और चुनवाद पाल बताए गए हैं।

हादसा मंगलवार सुबह करीब 10 बजे अजयगढ़ के बीहरपुरवा गांव में हुआ। मृतकों के परिजन का आरोप है कि हादसे के 3 घंटे के बाद भी प्रशासनिक अधिकारी या कोई सरकारी टीम मौके पर नहीं पहुंची। ग्रामीणों ने जेसीबी मंगाकर खुद रेस्क्यू अभियान चलाया। इसी देरी की वजह से मजदूरों को बचाया नहीं जा सका।हादसे के शिकार आशीष, राजकुमार, रामपाल और चुन्नू यादव एक ही परिवार के सदस्य हैं।

ट्विशा डेथ केस

सीडीआर-सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने पर आज सुनवाई

सीबीआई पहुँची, सास गिरिबाला के घर

● डीसीपी बोले-जिस बेल्ट का फंदा बनाया, उसकी फोरेंसिक जांच जारी

भोपाल (एजेंसी)। एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले में कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने को लेकर भोपाल जिला कोर्ट में अलग-अलग आवेदन दायर किए गए हैं। इन पर भोपाल पुलिस की तरफ से कोई भी प्रतिवेदन कोर्ट में अब तक पेश नहीं किया गया है। इसका कारण सीबीआई द्वारा मामले की जांच अपने हाथ में लेना माना जा रहा है।

जल्द ही इस केस को सीबीआई कोर्ट में ट्रांसफर किए जाने की भी संभावना है। इससे पहले सोमवार रात सीबीआई ने गिरिबाला और समर्थ पर एफआईआर दर्ज की। इसमें दहेज में पैसों की डिमांड होने की बात मानी गई है।

जानकारी के अनुसार, ट्विशा के परिवार की ओर से वकील अंकुर पांडे ने भोपाल कोर्ट में सीडीआर सुरक्षित रखने के लिए आवेदन दिया है। वहीं, गिरिबाला सिंह की ओर से सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने को लेकर एप्लीकेशन दी है। दोनों आवेदनों पर आज सुनवाई तय है।

सीबीआई ने एफआईआर को दोबारा दर्ज कराया– सीबीआई की टीम सोमवार को भोपाल पहुंची। एजेंसी ने कटारा हिल्स थाने में पहले दर्ज एफआईआर को री-रजिस्टर कर ट्विशा के पति समर्थ सिंह और सास, रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया।

● **जिस बेल्ट से फांसी लगाने की बात कही, वह एफएसएल के पास**– उधर, ट्विशा के जिस जिमनास्टिक बेल्ट से कथित तौर पर फांसी लगाने का दावा किया जा रहा है, वह बेल्ट दोनों बार पोस्टमॉर्टम करने वाली मेडिकल टीम को नहीं दिखाई जा सकी। इसे लेकर सवाल उठे तो डीसीपी विकास कुमार शहवाल ने कहा– उस बेल्ट को पुलिस ने जब्त कर लिया था। पहले पोस्टमॉर्टम के बाद बेल्ट डॉक्टर को परीक्षण के लिए सौंपा गया था। परीक्षण के बाद एसआईटी ने इसे सुरक्षित रख लिया था। बेल्ट को 7 दिन पहले सागर की फोरेंसिक लैब भेजा गया था। दिल्ली एम्स की मांग के बाद भोपाल पुलिस ने एफएसएल और साइबर सेल को इस बारे में पत्र लिखा है।

● राजस्थान : अवैध फैक्ट्रियों पर मंत्री किरोड़ी लाल मीणा की रेड

नकली मूंगफली बीज फैक्ट्री पर मारा छापा

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के नजदीक चौमूं (रीको इंडस्ट्रियल एरिया) के सिल्वर पार्क से मंगलवार को एक ऐसी खबर सामने आई जिसने पूरे राजस्थान के कृषि महकमे और बीज माफियाओं के खेमे में हड़कंप मचा दिया। कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने बिना किसी पूर्व सूचना या तामझाम के, एक 'फूड इंस्पेक्टर' की तरह औचक निरीक्षण करते हुए 'एग्रो जेनिक्स क्रॉप साइंस' एवं 'जीएम एग्रो इंडस्ट्रीज' नामक दो अनधिकृत फैक्ट्रियों के गोदामों पर छापा मार दिया।

यह दोनों अवैध कंपनियां मिलकर सीकर की एक प्रतिष्ठित फर्म 'श्री बालाजी एग्रो सीकर' के नाम का फर्जी इस्तेमाल कर रही थीं और उसके नकली लेबल लगाकर घटिया, अमानक और निम्न गुणवत्ता वाले फंगस लगे मूंगफली बीजों की धड़ल्ले से री-पैकेजिंग कर रही थीं।

गोदाम के भीतर का नजारा देख दंग रह गए मंत्री

जब किरोड़ी लाल मीणा कृषि विभाग के आला अधिकारियों और पुलिस जाब्ते के साथ चौमूं के इस रिहायशी व इंडस्ट्रियल गोदाम के भीतर दाखिल हुए, तो वहां का नजारा देखकर खुद उनकी आंखें भी फटी की फटी रह गई। यह कोई छोटा–मोटा हेर–फेर नहीं था, बल्कि करोड़ों रुपए की लागत से चल रहा नकली बीज का एक बहुत बड़ा संगठित कारखाना था।

दिल्ली क्वाड बैठक में ऑस्ट्रेलिया ने होर्मुज का मुद्दा उठाया

समुद्री रास्तों की आजादी जरूरी : जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक खत्म हो गई है। इसमें ऑस्ट्रेलिया ने होर्मुज का मुद्दा उठाया। विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा, 'ईरान की तरफ से होर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने का असर अब तेल और ऊर्जा सप्लाई पर दिखने लगा है। क्वाड देशों का कहना है कि समुद्री रास्ते खुले रहना जरूरी हैं और वहां से गुजरने वाले जहाजों पर किसी तरह का टोल या रोक नहीं लगनी चाहिए।इस बैठक में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री शामिल हुए।

अमेरिका की ओर से मार्को रूबियो, जापान से तोशिमित्सु मोतेगी और ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पेनी वोंग मौजूद रहे।

विदेश मंत्री जयशंकर ने आतंकवाद के मुद्दे पर कहा कि इसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस होना चाहिए। जिन देशों पर आतंकी हमले होते हैं, उन्हें अपनी सुरक्षा का अधिकार है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि बैठक में 3 बड़े फैसलों पर चर्चा की गई।

दो महिलाओं ने आत्महत्या की

इंदौर। अज्ञात कारणों के चलते दो महिलाओं ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर दी। यह मामला तुकोगंज और तिलक नगर थाना क्षेत्र का है। तुकोगंज वाले मामले में पति ने पत्नी को कमरे में फंदे पर लटका देखा तो उसे तुरंत एमवाय अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान दीक्षा (25) पति विपिन टटवाडे निवासी अमर टेकरी है। विपिन ने बताया कि रविवार को दीक्षा की तबीयत खराब थी। उसे डॉक्टर के पास चलने के लिए कहा, लेकिन उसने मना कर दिया। सोमवार तड़के 4 बजे नींद खुली तो दीक्षा बिस्तर पर नहीं थी। तलाश करने पर वह दूसरे कमरे में फंदे पर लटकी मिली।दूसरी घटना तिलक नगर में रहने वाली आरती (36) पति गोपाल पटेल निवासी संविद नगर को शनिवार रात 2 बजे पति ने पत्नी को फंदे पर लटके देखा था। गोपाल के मुताबिक रात में दंपति खाना खाकर सो गए थे। देर रात नींद खुलने पर जानकारी लगी। गोपाल सागर का रहने वाला है। वहीं गाड़ी वाशिंग का काम करता है। परिवार में उसके दो बच्चे हैं।

मुंबई-इंदौर द्वि-साप्ताहिक के फेरे बढ़े

इंदौर। यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखकर मुंबई सेंट्रल से इंदौर के मध्य चलने वाली द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित किए जा रहे हैं। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का अंतिम फेरा 29 मई तक निर्धारित है, 27 जुलाई 2026 तक मुंबई सेंट्रल से चलेगी। इसी प्रकार इंदौर से अंतिम फेरा 30 मई निर्धारित है। यह ट्रेन पूर्व निर्धारित मार्ग, कोच कंपोजिशन, दिन एवं ठहराव के साथ ही चलेगी। इनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। मुंबई सेंट्रल-इंदौर द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के विस्तारित फेरों की बुकिंग सभी यात्री आरक्षण केन्द्रों एवं आईआरसीटीसी की वेबसाइट से शुरू हो चुकी है।

पुलिस कार्रवाई में हथियार तस्कर फरार

इंदौर। इंदौर-धार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान हथियारों की सप्लाई करने वाला आरोपी चेतन नाथ पुलिस घेराबंदी तोड़कर फरार हो गया। हालांकि पुलिस ने उसके साथी संजय उर्फ सत्या को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से देशी पिस्टल और मोपेड बरामद की गई है। पुलिस अब फरार आरोपी की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। राजेंद्र नगर पुलिस ने 12 दिन पहले अक्षय शर्मा को पिस्टल के साथ पकड़ा था। पूछताछ में अक्षय ने खुलासा किया कि चेतन लंबे समय से इंदौर के अलग-अलग इलाकों में हथियार सप्लाई कर रहा है। उसने कई लोगों को पिस्टल बेचने की बात भी कबूली थी। इसके बाद से पुलिस चेतन की तलाश में जुटी हुई थी। रविवार को धार जिले के नौगांव थाना क्षेत्र में पुलिस को चेतन की मौजूदगी की सूचना मिली थी। सूचना पर इंदौर-धार पुलिस ने संयुक्त घेराबंदी की थी। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार चेतन पर हत्या, लूट, मारपीट और अन्य गंभीर अपराधों के कई मामले दर्ज हैं। बताया जा रहा है कि वह हाल ही में हत्या के मामले में जमानत पर बाहर आया था। बाहर आते ही उसने फिर से हथियारों की खरीद-फरोख्त शुरू कर दी थी।

तालाब में नहाने गया नाबालिग डूबा

इंदौर। तेजाजी नगर इलाके में दोस्तों के साथ तालाब में नहाने गया एक नाबालिग डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना सोमवार शाम करीब 4 से 5 बजे के बीच की है। वह पानी में एक टीले से कूदा था, जहां गाद में फंस गया। दोस्तों ने उसे निकालने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। इसके बाद आसपास के लोगों से मदद मांगी गई, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। टीआई देवेंद्र मरकाम के मुताबिक, महादेव नगर निवासी आशीष मकवाना अपने करीब 7 दोस्तों के साथ बिलावली तालाब में नहाने पहुंचा था। इस दौरान वह गहराई में जमी गाद में फंस गया। हादसे में उसकी मौत हो गई। आसपास के लोगों ने उसे निकाला, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं।

रातभर चला 'नाइट शील्ड' अभियान

इंदौर। कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस के जोन-2 क्षेत्र में रविवार देर रात अभियान 'ऑपरेशन नाइट शील्ड' चलाया गया। इस दौरान संवेदनशील इलाकों, प्रमुख बाजारों, चौपाटियों, खानपान केंद्रों और व्यावसायिक क्षेत्रों में चेकिंग एवं गश्त की। पुलिस टीमों ने हॉटस्पॉट और शैडो एरिया में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। देर रात तक खुली दुकानों और बाजारों को निर्धारित समय पर बंद कराया, वहीं अनावश्यक रूप से घूम रहे लोगों को समझाइश देकर घर भेजा गया। अभियान में पुलिस बल के साथ निजी सिक्योरिटी गार्ड और वॉलंटियर्स ने भी सहयोग किया। संयुक्त टीमों ने भ्रमण कर आमजन को सुरक्षा संबंधी निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि शांति, सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने इस प्रकार के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

अपशब्द कहने से रोका तो पीटा

इंदौर। बच्चों को समझाने के दौरान मौसी ने अपशब्द कह दिए। इसके बाद बच्चों के परिजनों ने मौसी से मारपीट की। मामला बाणगंगा थाना क्षेत्र के दशरथ कालोनी का है। यहां रहने वाली गीता रघुवंशी बताया कि मौसी मनीषा पति मनीष रघुवंशी ने बच्चों को समझाने की बात पर अपशब्द कहे। जब उन्हें अपशब्द कहने से रोका तो मौसी ने मारपीट की। इसके बाद उनके जमाई रोहित पिता मोहन रघुवंशी को बुलाया और उनसे भी मुझे पिटवाया।

पुराने मकानों के नीचे से गुजरेगी मेट्रो ट्रेन जर्मनी-थाईलैंड से आ रही खुदाई मशीनें

सौ साल पुराने मकानों को बिना छुए निकलेगा रास्ता, जुलाई से काम शुरू

इंदौर। शहर की जमीन के नीचे से मेट्रो ट्रेन को चलाने की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच चुकी। इस बेहद जटिल काम को अंजाम देने के लिए जमीन के भीतर 20 मीटर की गहराई तक खुदाई करने में सक्षम 4 अत्याधुनिक टनल बोरिंग मशीनें बहुत जल्द इंदौर पहुंचेगी। इन मशीनों के कलपुर्जों का निर्माण जर्मनी में किया गया, जबकि जोड़कर तैयार करने का काम थाईलैंड में चल रहा है। शहर के मध्य क्षेत्र में बनने वाला मेट्रो का भूमिगत मार्ग कई मायनों में चुनौतीपूर्ण है। क्योंकि, इस रास्ते के ठीक ऊपर 100-100 साल पुराने ऐतिहासिक और रिहायशी मकान बने हुए हैं। खुदाई के दौरान इन प्राचीन धरोहरों और मकानों को नुकसान न पहुंचे, इसके लिए बेहद पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इंदौर की भौगोलिक स्थिति और यहां की जमीन के भीतर मौजूद कठोर चट्टानों, नरम मिट्टी तथा मुरम की मिली-जुली परतों को ध्यान में रखकर इन मशीनों को खास तौर पर तैयार किया गया है। अधिकारियों ने इसे मिश्रित परत वाली खुदाई मशीन का नाम दिया है। हाल ही में मेट्रो निगम, निर्माण एजेंसी और सलाहकार विशेषज्ञों के दल ने जर्मनी तथा थाईलैंड का दौरा करके इन मशीनों की कार्यक्षमता का अंतिम परीक्षण भी पूरा कर लिया है।

जुलाई से शुरू होगी खुदाई- प्रशासन की योजना के अनुसार, आगामी जुलाई महीने से जमीन के सीने को चीरकर टनल बनाने का काम अमली जामा पहनेगा। इंदौर पहुंचने वाली चारों मशीनें हवाईअड्डे और नगर निगम की दिशा से अपने काम की शुरुआत करेंगी। ये मशीनें धरातल से लगभग 20 मीटर नीचे उतरकर समानांतर रूप से पटरियों और स्टेशनों के लिए रास्ता बनाएंगी। इस बीच, छोटा गणपति स्टेशन के निर्माण के लिए एक अन्य आधुनिक पद्धति का उपयोग किया जा रहा है, जहां वर्तमान में भी खुदाई का काम तेजी से जारी है।

खजराना रूट में बड़ा बदलाव

गत दिनों हुए कुछ विवादों के बाद खजराना के आगे के मेट्रो मार्ग में एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया। पूर्व की योजना के मुताबिक महात्मा गांधी मार्ग पर ट्रेजर मॉल तक ट्रेन को जमीन से ऊपर ऊंचे पुल पर चलाया जाना था। लेकिन, अब बदले हुए फैसले के तहत मेट्रो खजराना के बाद से पूरी तरह जमीन के नीचे ही चलेगी। इस बड़े बदलाव के कारण निर्माण से जुड़े निविदा दस्तावेजों को दोबारा संशोधित किया जा रहा है। दूसरी तरफ, शहीद पार्क से लेकर खजराना स्टेशन तक पटरियों और स्टेशनों का ढांचा अब साफ तौर पर आकार लेने लगा है।

पुलिस ने वाहन चोर गिरोह पकड़ा चोरी की बुलेट किराए पर चलाते थे

चार बुलेट सहित कई अन्य दोपहिया वाहन बरामद किए

इंदौर। बाणगंगा पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब एक दर्जन चोरी की बुलेट और अन्य बाइक बरामद की गई हैं। आरोपी महंगी बाइकों को निशाना बनाकर चोरी करते थे और बाद में उन्हें किराए पर चलाने या ऑर्डर पर उपलब्ध कराने का काम करते थे। थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर की टीम ने कार्रवाई करते हुए शिवेंद्र, वीरेंद्र और पंकज को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे सुनसान और कम भीड़भाड़ वाले इलाकों में खड़ी बुलेट और अन्य बाइक चुराते थे। उनके पास से चार बुलेट सहित कई अन्य दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। जांच में सामने आया है कि आरोपी चोरी की बुलेट को शौक और मौज-मस्ती के लिए इस्तेमाल करते थे। इसके अलावा कुछ लोगों को मांग के अनुसार बाइक उपलब्ध कराते थे। मामले में साहिल नामक युवक का नाम भी सामने आया था। पुलिस ने उससे पूछताछ की, लेकिन फिलहाल उसे छोड़ दिया गया है। पूरे नेटवर्क की जांच जारी है।

ज्वेलर्स के घर लाखों की चोरी

तिलक नगर में ज्वेलरी कारोबारी के घर चोरी की घटना सामने आई है। गोयल नगर निवासी सुमन बेरा ने बताया कि रविवार दोपहर वह कॉलोनी के एक कार्यक्रम में गई थीं। वापस लौटने पर घर का ताला टूटा मिला। चोर घर से सोने की पांच अंगूठियां, दो लॉकेट, चेन, कंगन, चूड़ियां और नकदी ले गए। विजयनगर क्षेत्र में रहने वाली कीर्ति गघोरिया ने बताया कि 15 मई को वह कार्यक्रम में गई थीं। घर लौटने पर अलमारी से सोने का हार और कान की बालियां गायब मिलीं। पीड़िता ने अपने रिश्तेदार दंपति पर चोरी का शक जताया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लक्षद्वीप नाम का चोर गिरफ्तार 11 मोबाइल व स्कूटी बरामद

चोरी के बाद पुलिस से बचने के लिए शहर बदलता रहा

इंदौर। अन्नपूर्णा पुलिस ने चोरी और मोबाइल स्नैचिंग की वारदातों में शामिल शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी शहर में 'लक्षद्वीप' नाम से जाना जाता था। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी के 11 मोबाइल और बिना नंबर की स्कूटी बरामद की है। जब्त सामान की कीमत ढाई लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी चोरी के मोबाइल और वाहन बेचने की फिराक में घूम रहा है। इसके बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने इंदौर के कई थाना क्षेत्रों से मोबाइल चोरी करना कबूल किया है। उसके पास से बरामद स्कूटी भी चोरी की निकली, जिसके संबंध में पुलिस जानकारी जुटा रही है। आरोपी चोरी के मोबाइल कम कीमत में बेच देता था और उससे मिलने वाले पैसों से नशे की लत पूरी करता था।

बचने के लिए शहर बदलता

जांच में सामने आया कि आरोपी चोरी करने के बाद अक्सर शहर बदल देता था, ताकि पुलिस उसे पकड़ न सके। वह अपने साथियों से कहता था कि ह्मैं तो लक्षद्वीप चला जाऊंगा, पुलिस मेरा कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी।ह्व इसी वजह से दोस्तों ने उसका नाम लक्षद्वीप रख दिया था। पुलिस का मानना है कि उससे शहर में हुई कई अन्य चोरी और मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं का खुलासा हो सकता है। फिलहाल आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

हनीट्रैप कांड की आरोपी रेशू के जाल में उलझा पति, नौकरी छूटी

पुलिस वाले भाई के रसूख से ससुराल पर दर्ज कराई थी रिपोर्ट

इंदौर। बहुचर्चित हनीट्रैप मामले में अपराध शाखा द्वारा बंदी बनाई गई रेशू चौधरी के अतीत का एक नया पन्ना खुला है। रेशू ने पुलिस को की शिकायत में पति पर गंभीर आरोप मढ़े थे। उसका कहना कि मस्कट में रहने के दौरान पति महेंद्र ने उस पर अपना धर्म बदलने के लिए दबाव डाला था। इस शिकायत के बाद पति की नौकरी भी छूट गई। दस्तावेजों से मिले विवरण के अनुसार, रायपुर के शिवाजी पार्क विवाह वाटिका में 10 दिसंबर 2018 को रेशू और महेंद्र कुमार चौधरी का विवाह हुआ था। विवाह के कुछ समय पश्चात रेशू 20 मार्च 2019 को ओमान के मस्कट शहर के लिए चली गई। परंतु उनके वैवाहिक जीवन की खुशियां अधिक दिनों तक टिक नहीं सकीं। मस्कट में केवल तीन महीने का समय बिताने के बाद वह 14 जून 2019 को भारत वापस आ गई। सूत्रों का कहना है कि भारत आते ही उसने अपने भाई अभिलाष चौधरी के पद और प्रभाव का लाभ उठाया। किसी भी प्रकार की पारिवारिक समझौता बैठक या परामर्श के बिना ही उसने सीधे 31 अगस्त 2019 को महिला थाना सागर में पति महेंद्र, ससुर प्यारेलाल अहिरवार और सास गीता देवी के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न तथा घरेलू हिंसा का मुकदमा दर्ज करवा दिया।

पति पर आरोप लगाकर उलझाया- रेशू ने पुलिस को की शिकायत में पति पर अत्यंत गंभीर और चौकाने वाले आरोप मढ़े थे। उसका दावा था कि मस्कट में रहने के दौरान पति महेंद्र ने उस पर अपना धर्म बदलने के लिए अत्यधिक दबाव डाला था। रेशू का यह भी आरोप था कि उसका पति उसे बलपूर्वक मदिरापान कराने का प्रयास करता था और विरोध करने पर रसोई गैस खोलकर उसे जीवित जलाने की धमकी देता था। उसने यह भी लिखवाया कि उसे कमरे में ताला बंद करके प्रताड़ित किया जाता था और मायके से और धन लाने की मांग की जाती थी।

ससुराल वालों के आरोप कम नहीं- इसके उलट ससुराल पक्ष ने रेशू पर पलटवार करते हुए उसके सभी आरोपों को मनगढ़ंत बताया है। ससुर प्यारेलाल का कहना है कि रेशू मस्कट में अत्यंत स्वच्छंद और अनियंत्रित आचरण कर रही थी। वह वहां एक ऐसी जीवनशैली अपना रही थी जो किसी भी साधारण और संस्कारी परिवार के लिए स्वीकार योग्य नहीं हो सकती। इसी आचरण के बीच वह एक दिन अपने पति महेंद्र को बिना कोई सूचना दिए मस्कट वाले घर से नकदी और आभूषण समेटकर भारत भाग आई। भारत आने के बाद भी वह रायपुर स्थित अपने ससुराल जाने के बजाय सीधे सागर में अपने माता-पिता के घर पहुंच गई। वहां उसने पुलिस को गुमराह करके पूरे ससुराल पक्ष को झूठे मुकदमे में उलझा दिया। ससुर ने रायपुर से सागर पुलिस को भेजी शिकायतों में इन सभी बातों का स्पष्ट उल्लेख किया है।

पति का करियर बर्बाद

रेशू के इस कानूनी चक्रव्यूह ने उसके पति महेंद्र चौधरी के भविष्य और आजीविका को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। ओमान में एक अच्छे पद पर कार्यरत महेंद्र के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज होने के कारण उनका अनुमति पत्र अटक गया, जिससे वह दोबारा विदेश यात्रा नहीं कर सके।

प्रेम संबंधों में तनाव के बीच मेडिकल छात्र ने उठाया था आत्मघाती कदम

मृतक की बहन और दोस्तों के बयानों से सामने आए कई नए पहलू

इंदौर। एमजीएम मेडिकल कॉलेज हॉस्टल में मेडिकल छात्र डॉ अमन पटेल की आत्महत्या के मामले में पुलिस जांच लगातार आगे बढ़ रही है। शुरुआती पड़ताल में अब प्रेम संबंधों में तनाव का पहलू प्रमुख रूप से सामने आया। पुलिस ने मृतक की बहन और कॉलेज के करीबी दोस्तों के बयान दर्ज किए हैं, जिनमें रिश्तों में आई खटास और मानसिक दबाव का जिक्र किया गया है।

बहन ने पुलिस को बताया कि अमन का मेडिकल कॉलेज की एक छात्रा के साथ लंबे समय से प्रेम संबंध था। दोनों विवाह को लेकर गंभीर थे, लेकिन पिछले कुछ समय से उनके बीच दूरियां बढ़ने लगी थीं। परिवार के अनुसार घटना वाली रात भी अमन काफी तनाव में थे। देर रात वह हॉस्टल की पांचवीं मंजिल की छत पर पहुंचे और वहां से छलांग लगा दी। मामले में अमन के दोस्तों ने भी पुलिस के सामने कई महत्वपूर्ण बातें रखीं। दोस्तों का कहना

है कि अमन और छात्रा पिछले लगभग 3 वर्षों से रिश्ते में थे। हाल के दिनों में दोनों के बीच लगातार विवाद और तनाव बढ़ रहा था। दोस्तों के मुताबिक घटना से पहले दोनों के बीच फोन पर बातचीत भी हुई थी और उसके बाद अमन बेहद परेशान दिखाई दे रहे थे।

युवती के इंकार से आत्मघाती कदम

परिजनों ने आरोप लगाया है कि बातचीत के दौरान युवती ने अमन से बात करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद ही वह हॉस्टल की छत पर पहुंचे और आत्मघाती कदम उठा लिया। हालांकि पुलिस अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। हॉस्टल परिसर में सीसीटीवी कैमरे नहीं होने से जांच में दिक्कत आ रही है और पुलिस को घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में परेशानी हो रही है।

मोबाइल की जांच खोलेगी राज - घटनास्थल से डॉ अमन का टूटा हुआ मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस अब मोबाइल को भोपाल स्थित साइबर सेल भेजने की तैयारी कर रही है। मोबाइल से कॉल विवरण, संदेश, बातचीत और अन्य डिजिटल साक्ष्य निकालने का प्रयास किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। रिपोर्ट मिलने के बाद मौत के कारण और घटनाक्रम से जुड़े अन्य पहलुओं की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। जांच के दौरान अंतरजातीय विवाह का विरोध भी एक महत्वपूर्ण कारण के रूप में सामने आया है। परिजनों और दोस्तों का दावा है कि युवती का परिवार इस रिश्ते के पक्ष में नहीं था। बताया जा रहा है कि घटना से करीब 24 घंटे पहले युवती के माता-पिता इंदौर पहुंचे थे, जिसके बाद दोनों के बीच तनाव और बढ़ गया था।

दंपत्ति की मौत के बाद पत्नी के प्रेमी ने भी जहर खाकर जान दी

पत्नी की हत्या के बाद पति ने भी आत्महत्या कर ली थी

इंदौर। मेघदूत नगर में प्रेम प्रसंग के चलते पति ने पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। इसके बाद खुद भी जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पति को पत्नी के चरित्र पर शंका थी। पति ने जिस सतीश साहू का नाम सुसाइड नोट में लिखा था, उसने भी आत्महत्या कर ली। मामले में हीरानगर पुलिस ने मृतका के प्रेमी पीथमपुर निवासी सतीश साहू पर केस दर्ज किया था। पुलिस रविवार को उसे पकड़ने पीथमपुर पहुंची तो पता चला कि सतीश खंडवा चला गया है, जहां उसने जहर खाकर जान दे दी। 32 वर्षीय सतीश घटना की जानकारी मिलते ही फरार हो गया था। पुलिस के मुताबिक, मेघदूत नगर में रहने वाले हल्केवीर पटेल ने पहले पत्नी रोशनी की गला घोंटकर हत्या की, बाद में खुद ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। आत्महत्या के पहले उसने सुसाइड नोट छोड़ा था, इसमें लिखा था कि मेरी पत्नी का सतीश साहू से प्रेम प्रसंग चल रहा है। शनिवार को मैं अपने रिश्तेदार के साथ सतीश को समझाने गया था, लेकिन उसने मारपीट की थी। इसके बाद रविवार रात को उक्त कदम उठाया। परिजन हल्केवीर और रोशनी का शव होशंगाबाद के पास बनखेड़ी गांव ले गए, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया।

भानजी को छोड़ने गया था- उधर, मुख्य आरोपी सतीश साहू पंधाना क्षेत्र के घाटाखेड़ी गांव पहुंचा था। परिवार से मिलने और नाबालिग भानजी को राजौदा गांव छोड़ने के बाद उसने जहर खा लिया। गांव वालों ने उसे बेसुध हालत में अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस की जांच में पता चला कि घटना वाली रात हल्के वीर, उसका साला देवेंद्र और भतीजा ललित घर पर मौजूद थे। इसी दौरान हल्के वीर ने रोशनी को डांटते हुए कहा कि उसके कारण यह सब हुआ है। हल्के वीर ने सुसाइड नोट में सतीश का नाम लिया था। उसने आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग की थी।

संपादकीय

ट्रंप का दांव, मुश्किल में पाक

यह अब पूरी तरह से साफ है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के इशारे पर ही काम कर रहे हैं। ईरान से युद्ध विराम को लेकर वो हर घंटे जिस तरह बयान बदल रहे हैं और उनके इस रवैये की वजह से दुनिया के बाजार ऊपर-नीचे हो रहे हैं, उससे यही लग रहा है कि असल में सिर्फ अपनी शर्तों पर ईरान से समझौता चाहते हैं, जोकि व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। लेकिन ट्रंप की ताजा शर्त ने सभी अरब मुल्कों और खासकर अमेरिका के पिछलग्गू बने पाकिस्तान को खासी मुश्किल मं डाल दिया है। ईरान से समझौते पर असमंजस के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सभी अरब और मुस्लिम देशों से कहा है कि वे इजराइल के साथ अपने रिश्ते बेहतर करें। है। उन्होंने शनिवार को सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्किये, मिस्र और जॉर्डन के नेताओं के साथ वर्चुअल मीटिंग की। इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर देते हुए ट्रंप ने लिखा कि अमेरिका ने ईरान संकट को सुलझाने के लिए बहुत मेहनत की है। अब जरूरी है कि ये सभी देश अब्राहम अकॉर्ड्स (समझौते) में शामिल हों। यानी इजराइल के साथ रिश्ते बेहतर करें।

ट्रम्प ने कहा कि यूएई और बहरीन पहले से अब्राहम समझौते का हिस्सा हैं। कुछ देशों के पास इसमें शामिल न होने की 'एक-दो वजहें' हो सकती हैं, लेकिन ज्यादातर देशों को इसके लिए तैयार होना चाहिए। ट्रम्प ने कहा कि अगर ये देश इजराइल के साथ रिश्ते बनाते हैं तो यह समझौता इतिहास की सबसे बड़ी घटनाओं में बदल सकता है। उन्होंने दावा किया कि अब्राहम अकॉर्ड्स से जुड़े देशों को आर्थिक, व्यापारिक और सामाजिक स्तर पर बड़ा फायदा हुआ है। ट्रंप ने यह भी कहा कि यूएई, बहरीन, मोरक्को, सूडान और कजाकिस्तान को इससे खूब फायदा मिला है। उन्होंने इसे दुनिया का सबसे सम्मानित और सबसे महत्वपूर्ण समझौता बताया। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प ने शनिवार को मोहम्मद बिन सलमान (सऊदी), मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान (यूएई), तमिम बिन हमद अल थानी (कतर), आसिम मुनीर (पाकिस्तान), रजब तैयब एर्दोआन (तुर्किए), अब्देल फतह अल-सिसी(मिस्र) समेत कई नेताओं से बातचीत की थी। लेकिन ट्रम्प ने जब इन नेताओं से इजराइल के साथ रिश्ते सुधारने को कहा तो कॉल पर कुछ सेकेंड के लिए चुप्पी छा गई। खासकर सऊदी अरब, कतर और पाकिस्तान की तरफ से कोई तत्काल प्रतिक्रिया नहीं आई। माहौल इतना शांत हो गया था कि ट्रम्प ने मजाक में पूछ लिया, 'क्या आप लोग अभी भी फोन लाइन पर हैं?' आखिर में ट्रम्प ने अपने प्रतिनिधियों को निर्देश दिया है कि वे इन देशों को अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करें। इस समझौते में उन्होंने ईरान को भी जोड़ लिया। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान उनके साथ समझौता करता है, तो उसे भी अब्राहम अकॉर्ड्स का हिस्सा बनाना 'सम्मान' की बात होगी। दरअसल, पाकिस्तान समेत इन मुस्लिम देशों ने अभी तक इजराइल को मान्यता नहीं दी है। ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में इसे पश्चिम एशिया में नई रणनीतिक व्यवस्था के रूप में पेश किया था। अब ट्रम्प चाहते हैं कि इस समझौते का दायरा और बढ़े। इसमें सबसे बड़ी बाधा सऊदी अरब और पाकिस्तान हैं। कहते हैं कि प्रिंस सलमान पहले इजराइल के साथ बेहतर रिश्तों के लिए पहले तैयार भी हो गए थे। लेकिन गाजा युद्ध के बाद हालात बदल गए। पाकिस्तान के लिए इजराइल से समझौता करना राजनीतिक आत्महत्या जैसा होगा। लेकिन वह इंकार करेगा तो ट्रंप की नजरों में अहमियत खो देगा। यानी पाकिस्तान के लिए इधर कुआं, उधर खाई वाली स्थिति है।

नजरिया

सुरेश पचौरी

(लेखक भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय रक्षा उत्पादन, कार्मिक व संसदीय कार्य राज्यमंत्री रहे हैं)

प्रधानमंत्री मोदीजी के सेवा, सुरक्षा और सुशासन के स्वर्णिम 12 साल

लोकतंत्र में श्रेष्ठ नेतृत्व की पहचान नीति, नीयत और निष्ठा की कसौटी पर खरा उतरने से होती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मापदंड पर सर्वथा खरे उतरे हैं। देश की जनता ने बड़ी उम्मीदों के साथ उन्हें देश का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी और उन्होंने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद की प्रथम बार शपथ ली। बतौर प्रधानमंत्री अपने 12 वर्ष के लगातार कार्यकाल में उन्होंने राजपथ को कर्तव्य पथ के रूप में स्वीकारा तथा देशवासियों का विश्वास जीतने में कामयाब रहे।

नरेन्द्र मोदी ऐसे कर्मयोगी हैं, जो 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के राष्ट्र-भाव को चरितार्थ करते हुए 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' का संकल्प लेकर भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने में अहर्निश लगे हुए हैं। मोदीजी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार का सिद्धांत है- रिफार्म, परफार्म एवं ट्रांसफॉर्म। प्रधानमंत्री ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की सिद्धि के लिए अपनी प्राथमिकता में GYAN को रखा है। G का तात्पर्य गरीब, Y का तात्पर्य युवा, A का तात्पर्य अन्नदाता किसान और N का तात्पर्य नारी। वर्तमान में केंद्र सरकार ने अपनी कल्याणकारी योजनाओं में इन पर अधिक फोकस किया है।

गरीब कल्याण कार्यक्रम: केन्द्र सरकार ने समाज के शोषित, वंचित, पीड़ित एवं सर्वहारा वर्ग के हितों को दृष्टिगत रखते हुए अनेक ऐतिहासिक एवं कल्याणकारी निर्णय लिये हैं। नरेन्द्र मोदीजी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की। पिछले 12 वर्षों में यह अभियान एक जन आंदोलन बन गया है। साथ ही उज्जवला योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत करोड़ों लोग लाभान्वित हुये हैं।

युवा शक्ति की बेहतरी: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकताओं में युवाओं के लिए अच्छा स्वास्थ्य, फिटनेस और उन्हें उचित हुनर से लैस करना शामिल है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, मुद्रा कोष योजना और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने भारत को विकसित राष्ट्र की ओर आगे बढ़ाया है।

किसान कल्याण: प्रधानमंत्री मोदी का विजन बहुत साफ़ है कि किसानों को उनकी पैदावार का सही दाम मिले। इस बाबत फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में रिकॉर्ड बढ़ोतरी की। किसान सम्मान निधि के अंतर्गत किसानों को उनके बैंक खातों में हर चार महीनों में दो हजार रुपये पहुंचाये जाते हैं। पीएम फसल बीमा योजना एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएमआरकेवाई) से अन्न दाता लाभान्वित हो रहे हैं।

महिला सशक्तिकरण: महिला सशक्तिकरण मोदी सरकार के विकास एजेंडे का प्रमुख हिस्सा है। मातृवंदन योजना, नारी शक्ति वंदन और 33 प्रतिशत आरक्षण से महिलाओं के जीवन में नई उम्मीद जगी है। केन्द्रक सरकार का लक्ष्य तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का है, जिनमें से लगभग 1 करोड़ 10 लाख लखपति दीदी अपना गरिमामय जीवन जी रही हैं। 'बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ' अभियान से बेटियों का आत्मसम्मान बढ़ा है। तीन तलाक कानून की समाप्ति से मुस्लिम महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

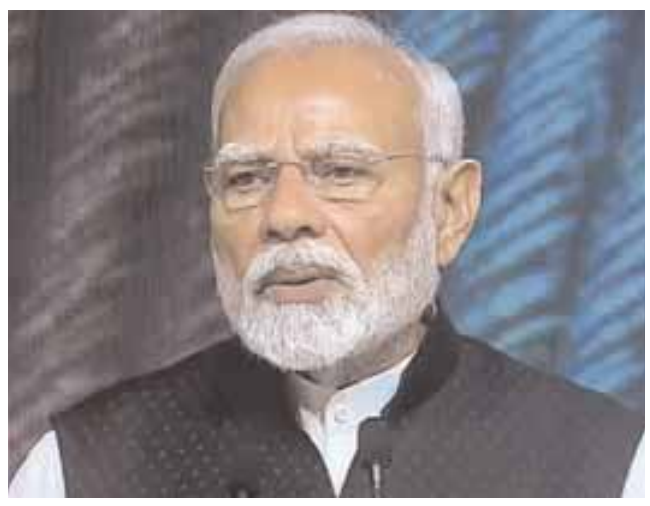

स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि: प्रधानमंत्री नरेन्द्री मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने देश में लगभग 2 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले हैं। मोदी सरकार की प्राथमिकता है कि समाज के हर वर्ग खासकर सामान्य लोगों तक सतीसम, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें। इस दिशा में जारी प्रयास के परिणाम स्वरूप अस्पताल, इलाज और दवाओं पर होने वाला खर्च निरन्तर कम होता जा रहा है। कोरोना काल में प्रधानमंत्रीजी ने स्वदेशी वैक्सीन के आविष्कार में प्रेरक भूमिका निभाई।

सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना 'संकल्प विरासत का, संरक्षण भी और विकास भी' के परिणाम स्वरूप अयोध्या में रामलला की दिव्य मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा सम्पपन्न हुई। काशी में बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल लोक, केदारनाथ धाम का नवनिर्माण, बद्रीनाथ क्षेत्र का विकास, करतार साहब कॉरिडोर को खुलवाना, हेमकुण्ड साहब और गिरनार में रोपवे बनाना, नमामि गंगे योजना, तिरुवल्लूर में कल्चरल सेन्टर बनाना आदि उल्लेखनीय कार्यों से भारत आत्मगौरव के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में स्वदेशी चिंतन आधुनिक देश की आर्थिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चिंतन का आधार बन रहा है।

धारा 370 की समाप्ति: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाना एक इतिहास की धारा को मोड़ने वाला निर्णय साबित हुआ है, इससे जम्मू-कश्मीर में खुशहाली की राह खुली है और देश की एकता व अखण्डता का ताना-बाना मजबूत हुआ है।

आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति: प्रधानमंत्री मोदी की आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति बहुत स्पष्ट है। प्रधानमंत्री ने भारतीय सेना को पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई के लिए खुली छूट दी। भारतीय सेना ने आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकवादी अड्डों एवं प्रशिक्षण शिविरों को जमींदोज कर दिया। प्रधानमंत्री जी ने विश्व समुदाय के सामने भारत का पक्ष रखने के निए सर्वदलीय प्रतिनिधिमण्डल भेजने का फैसला लिया, जो प्रभावी कदम साबित हुआ। यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता अपने नागरिकों का कल्याण सुनिश्चित करना है। घुसपैठ पर प्रभावी नियंत्रण के लिये केन्द्र सरकार ने बहुआयामी रणनीति बनाई है।

भारतीय सेना को सम्मान: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा विभिन्न युद्धों के दौरान शहीद हुए भारतीय सेना के जवानों की पुण्य स्मृति में दिल्ली में राष्ट्रीय शौर्य स्मारक एवं नेशनल वॉर मेमोरियल निर्मित कराये गये। पूर्व सैनिकों के लिए 'वन रैंक वन पेंशन' योजना लागू की गई। केंद्र सरकार ने देश के रक्षा बजट में काफी बढ़ोत्तरी की। स्वदेशी रक्षा उत्पादन जैसे तेजस लड़ाकू विमान, ब्रम्होस मिसाइल और अग्नि मिसाइल सिस्टम ने भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना दिया है। आज भारत लगभग 100 देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान के भीतर 100 किमी तक घुसकर कार्रवाई की। यह भारत की सैन्य क्षमता, राजनीतिक इच्छा शक्ति और राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। इससे भारत के एयर डिफेंस सिस्टम के सक्षम होने और भारत निर्मित हथियारों और मिसाइलों की श्रेष्ठता साबित हो गई।

नया भारत ''विकसित भारत'' हो इसके लिये आधारभूत संरचना को मजबूत बनाना प्रधानमंत्रीजी की प्राथमिकता है। नागरिकता संशोधन कानून, ई-गवर्नेन्स, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार, अक्षय ऊर्जा में वृद्धि, पीएम गतिशक्ति आदि योजनाएं देश को विकसित एवं खुशहाल भारत की ओर ले जाने की दूरगामी पहल है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जीवन राष्ट्र की समिधा है, और उनकी कामना रन्तिदेव की तरह राष्ट्र को वैभव पूर्ण बनाने की है।

रन्तिदेव ने कहा था -

''न त्वहं कामये राज्यं, न स्वर्गं न पुनर्भवम्।
कामये दुःखतप्तानां, प्राणिनामार्त नाशनम्।।''

अर्थात् - न मुझे राज्य की कामना है, न स्वर्ग की और न पुनर्जन्म से छुटकारा पाने की। मेरी कामना तो यह है कि मैं दुखों से संतप्त प्राणियों के काम आ सकूं। इसी भावना से स्वप्नदृष्टा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी भारत को दुनिया के समृद्ध और शक्तिशाली देशों में शुमार करने की दिशा में संनद्ध व संकल्पबद्ध हैं।

विचारधारा

एल एस हरदेनिया

नेहरू-पटेल को जोड़ी के रूप में देखते थे गांधीजी !

नेहरू और पटेल एक दूसरे के पूरक थे। नेहरू का वैचारिक आधार फेबियन समाजवाद की विचारधारा थी जिसके अनुसार संसदीय प्रजातंत्र मानवीय आकांक्षाओं की पूर्ति का सबसे अधिक शक्तिशाली साधन है। वहीं सरदार पटेल मानव मनोविज्ञान के अध्येता थे। उन्होंने उन आधारों को समझने का प्रयास किया था जिनसे ब्रिटिश साम्राज्य को सफलता मिली। '

ये शब्द हैं सुप्रसिद्ध पत्रकार दुर्गादास के जो उन्होंने सरदार पटेल के पत्र व्यवहार के दसवें खंड की भूमिका में लिखे हैं। दुर्गादास ने दस पृथक खण्डों में सरदार पटेल के पत्र व्यवहार को संकलित किया है। इन पुस्तकों से जहां हमें पटेल और नेहरू के मतभेदों के बारे में जानकारी मिलती है वहीं यह तथ्य भी उजागर होता है कि तमाम मतभेदों के बावजूद दोनों के बीच पारस्परिक स्नेह और सम्मान का धागा कितना मजबूत था। पत्र व्यवहार के दसवें खंड में सरदार पटेल की पुत्री मणिबेन पटेल ने सरदार पटेल और नेहरू के बारे मे महात्मा गांधी की धारणा को उद्धत किया है। मणिबेन लिखती हैं 'गांधीजी पटेल और नेहरू को बैलों की जोड़ी कहते थे। इन दोनों बैलों की जोड़ी ही राष्ट्र के भार को खींचती थी। '

दुर्गादास सरदार पटेल के इंदौर में दिए गए एक भाषण का उल्लेख करते हैं। इंदौर में वर्ष 1950 में एक सभा को संबोधित करते हुए पटेल ने कहा था- 'कांग्रेस अपनी पूरी ताकत से नेहरू के साथ है। नेहरूजी को संबोधित एक पत्र में पटेल, गांधी की सलाह का उल्लेख करते हैं। गांधी ने सलाह दी थी कि दोनों (नेहरू और पटेल) को राष्ट्रहित की खातिर मिलकर चलना है। यदि ऐसा नहीं होता है तो यह देश के लिए खतरनाक होगा।

पटेल नेहरु को लिखते हैं, 'मैंने बापू के इस अंतिम परामर्श पर पूरी मुस्तैदी से अमल किया है। इस परामार्श के अनुसार मैंने आपका पूरी मजबूती से साथ दिया है। यद्यपि इसके बावजूद मैं आपको समय-समय पर अपने विचारों से बिना किसी हिचक के अवगत कराता रहा हूं। मैं पूरी तरह से आपके प्रति वफादार रहा हूँ। अनेक अवसरों पर हमारे बीच मतभेद हुए हैं। कभी-कभी इन मतभेदों ने गंभीर रूप भी लिया है। इसके बावजूद हमने राष्ट्र के हित में नीति निर्धारण की प्रक्रिया में इन मतभेदों को रोड़ा नहीं बनने दिया है। '

इस बीच पटेल की तबियत खराब हो गई और वो मुंबई चले गए। नेहरू ने उन्हें पत्र लिखकर कहा कि वे पूरी तरह से अपने स्वास्थ्य के प्रति ध्यान दें। वे उन समस्याओं को पूरी तरह से भूल जाएं जिनका सामना देश को करना पड़ रहा है।

भारत के अंतिम ब्रिटिश वायसराय माउंटबेटन ने 16 अप्रैल 1950 को पटेल को एक पत्र लिखा। इस पत्र में उन्होंने विशेष रूप से इस बात का उल्लेख किया कि 'आप भारत के सर्वाधिक शक्तिशाली व्यक्ति हैं। आपके समर्थन और सहयोग के चलते नेहरू कभी भी असफल नहीं होंगें। आप जो समर्थन नेहरू को दे रहे हैं उसका न सिर्फ राष्ट्रीय वरन् अंतर्राष्ट्रीय महत्व है '।

वैसे सरदार पटेल को कांग्रेस के बहुमत का समर्थन प्राप्त था परंतु अपने बिगड़ते हुए स्वास्थ्य के कारण वे देश की पूरी जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते थे। पटेल की स्पष्ट राय थी कि नेहरूजी की दुनिया भर में जो प्रतिष्ठा है वह देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। वे नेहरू को पूरा सहयोग देने के लिए प्रस्तुत थे, किंतु उनका एक ही तर्क था कि नेहरू को जरा व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए - विशेषकर मुसलमानों के बारे में। पटेल ने शेख अब्दुल्ला के रवैये के बारे में नेहरू को अनेक बार चेतावनी दी थी।

इस तरह ऐसे कुछ मुद्दे थे जिनको लेकर दोनों में मतभेद थे। परंतु पटेल इस बात को महसूस करते थे कि नेहरू को जनता का अगाध स्नेह प्राप्त था। सच पूछा जाए तो नेहरू ही भारत थे और इसलिए देश के बुनियादी हितों के मद्देनजर पटेल ने नेहरू को बिना शर्त समर्थन दिया।

सरदार पटेल की एक जीवनी प्रसिद्ध आईसीएस अधिकारी केवल एल. पंजाबी ने लिखी है। इस जीवनी का शीर्षक है- 'द इनडोमीटेबिल सरदार।' पुस्तक में इस बात का उल्लेख है कि हिन्दू-मुस्लिम प्रश्न पर पटेल और महात्मा गाँधी के बीच भी मतभेद थे। इसके बावजूद पटेल ने हमेशा गांधी को अपना गुरू माना और स्वयं को उनका चेला।

पटेल और नेहरू की चर्चा करते हुए गांधी हमेशा कहा करते थे कि मेरे दो पुत्र हैं - जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल। दोनों को मेरा बराबर का स्नेह प्राप्त है। दोनों पर मेरा बराबर का भरोसा है। गांधी का विश्वास था कि दानों मिलकर भारत का नेतृत्व करेंगे। आरएसएस को लेकर नेहरू और पटेल में मतभेद थे। नेहरूजी संघ को एक खतरनाक संगठन मानते थे। पटेल की मान्यता थी कि संघ का मत परिवर्तन किया जा सकता है। इसके बावजूद पटेल ने संघ के नेताओं से यह स्पष्ट कह दिया था कि वे अपना आक्रामक रवैया छोड़ दें और कानून अपने हाथ में न लें। दुर्गादास दूसरे खंड के अंत में गांधी, पटेल और नेहरू का महत्वपूर्ण शब्दों में मूल्यांकन करते हैं। वे लिखते हैं: 'गांधी ने टार्च जलाई,नेहरू गांधी के टार्च बियरर थे, पटेल ने टार्च को मसाला दिया। गांधी में लोगों को सम्मोहित करने की ताकत थी। इस तरह तीनों ने आजादी हासिल करने और आजाद भारत के विकास में जबरदस्त भूमिका निभाई।

'अंतिम नतीजा यह है कि इतिहास में कभी भी इन तीनों (गांधी, नेहरू व पटेल) के योगदान को कम करके न आंका जाए (जैसा कि किया जा रहा है)।'' आशा है आज का नेतृत्व सुप्रसिद्ध पत्रकार दुर्गादास की इस चेतावनी को याद रखेगा।

पुण्यतिथि विशेष

ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

कोई लीडर जवाहरलाल जैसा हो नहीं सकता

जवाहरलाल नेहरू आज़ाद भारत के लोगों की मेहनत के छलकते पसीने से श्रम की गीता लिखना चाहते थे।

नेहरू ने ग़रीब साथ चलने के लिए मिश्रित अर्थ व्यवस्था अपनायी थी। वे देश की पूंजी और साधनों को कुछ औद्योगिक घरानों के वर्चस्व में नहीं रखना चाहते थे। उनके व्यक्तित्व से हिंदुस्तान की बहुरंगी झांकी दीखती है। वे देश के अपनेपन के नायक लगते थे, किसी परायेपन के नहीं। वे सब हिंदियों के हमवतन थे, उन्हें पूरे हिंद पर नाज़ था। उन्होंने भारत के जीवन दर्शन में घुली उस लम्बी कविता को पढ़ा था जो ऋग्वेद के नासदीय सूक्त के इस प्रश्न से शुरू होती है... 'सृष्टि का कौन है कर्ता? कर्तृता है या अकर्ता'। जीवन के बारे में घनीभूत जिज्ञासा से भरी यह कविता उपनिषदों की संवादपूर्ण गहरी अंतर्दृष्टि, भगवद्गीता के सार और रामायण के छंदों में बसी है।

देश में दोनों देश साथ चल रहे थे... गांधी का देश और नेहरू का देश। मेरा जन्म इन दो देशों के बीच की देहरी पर हुआ। मुझे अपनी स्कूल की बालभारती में गांधी बन जाने का गीत भी सुनाया जाता और जब स्कूल में विविध भेषभूषा प्रतियोगिता होती तो मास्साब मुझे नेहरू भी बनाया करते। मेरा बचपन गांधी जी और नेहरू जी की यादों से जुड़ गया। मैं दोनों देशों की आब-ओ-हवा में पला-बढ़ा। उन दिनों नेताओं के व्यक्तित्व में गांधी जी की सद्भावपूर्ण सहजता और नेहरू के आधुनिक बोध का तेज झलकता था।

अपनी किशोर वय में चाचा नेहरू की जीवनी पढ़कर अनुभव हुआ कि उनका नज़रिया पूरब और पश्चिम के वैचारिक तानों-बानों से मिलकर बना है। वे पश्चिम में अपने आपको एक अजनबी की तरह महसूस करते थे और उन्हें कुछ ऐसा भी लगता था कि वे अपने ही देश में निर्वासित हैं। जो उनके देहावसान के बाद अब सच साबित हो रहा है। नेहरू ने अपने आज़ाद मुल्क में किसी प्राचीन राजदण्ड को नहीं, स्वतंत्रता, समानता, न्याय और बंधुता के मूल्य पर आधारित आधुनिक संविधान को लोकतंत्र के घर में स्थापित किया था।

मेरे लोककवि पिता माधव शुक्ल मनोज अपनी कविताएं रचकर कभी गांधी के देश के और कभी नेहरू के देश के मधुर गीत गा लेते। वे दोनों देशों को अपने दिल में संजोये हुए थे। इन दोनों देशों के बीच एक सेतु था जो अब तोड़ा जा रहा है। आज सोच रहा हूं कि मैं किस देश में रहता हूं, मेरा घर अब किस देश में है जहां मैं अपने को अपने घर में होने जैसा अनुभव कर पाऊं। मेरे अपने दोनों देश तो पीछ छूट रहे हैं। मैं अब किसी तीसरे देश में अपने आपको ही अजनबी लग रहा हूं।

जवाहरलाल नेहरू ऐसे खोजी की तरह लगते हैं जो अपने आपको और अपने देश को सनातन परंपरा और विश्व इतिहास में खोजते रहे। उनकी भारत की खोज में यही पद्धति अपनायी गयी है। वे कहते थे कि... हम तस्वीर के वास्तविक चेहरे को दीवार की तरफ़ मोड़कर इतिहास का रुख़ नहीं बदल सकते, हमें तो उसका सामना करना ही होगा। क्या आज हमारे नेता इतिहास का सामना कर पा रहे हैं? लीडर जवाहरलाल ने आज़ाद भारत में जिन आधुनिक कारखानों, नदियों पर बांध और नये ज्ञान-विज्ञान केन्द्रों को रचा, उन्हें ही देश के नये तीर्थ कहा। इन तीर्थों की अनुकम्पा से ही देश में समृद्धि रचने... की नयी रामधुन... 'आराम है हराम'...गूंजने लगी।

जवाहरलाल नेहरू इसी तरह अपने आपको खोजने में उत्सुक थे तभी तो वे निर्भय होकर गुटनिरपेक्ष हो सके। संसार के शक्ति केन्द्रों के आगे समर्पण से इंकार करने का यह मार्ग तो पण्डित नेहरू ने ही पूरे विश्व को दिखाया। जो नेता दुनिया के इतिहास से मुंह मोड़कर देश चलाने का दावा करते हैं वे हमेशा अविश्वसनीय बने रहते हैं और जनता का विश्वास भी खो देते हैं। जवाहरलाल नेहरू की आवाज़ सुन रहा हूँ। वे यहूदियों और फिलस्तीनियों से कह रहे हैं कि तुम दोनों ही ब्रिटिश और फ्रांसीसी उपनिवेशों के जमाने से सताये गये हो। इतिहास गवाह है कि यहूदियों को खदेड़ा जाता रहा है। फिलस्तीन में अरबों की आज़ादी का सपना टूटता रहा है। कितना अच्छा हो कि इतिहास से सीखकर दोनों कौमों में एक-दूसरे की समृद्धि और सुरक्षा की भावना जागे और वे उन शक्तियों से सतर्क रहें जो अपना वर्चस्व बनाये रखने के लिए दोनों का बेजा इस्तेमाल करती आ रही हैं।

पण्डित नेहरू एक विश्वयार की तरह याद आते हैं। मेरे पिता अक्सर कहा करते कि नेहरू का दिल बहुत बड़ा है। जब 1962 में चीन ने भारत की सीमाओं पर हमला किया और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की भावना को ठेस पहुंचायी तो नेहरू के दिल को भारी आघात लगा। मैं सोचा करता कि जिसका दिल बड़ा होता होगा, उसके साथ चलने वाला उसका देश भी उदार होता होगा। छोटे दिल में इतना बड़ा देश कैसे समा सकता है? नेहरू को भूलना मुश्किल है। उनके कदमों की आहट आज भी सुनायी दे रही है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, 16, अल्फा इंडस्ट्रीयल पार्क, जाखिया, इंदौर, म.प्र.-453555 से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुदर्शन कुमार सोनी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

नेशनल पेपर लीक टेस्टिंग एजेंसी

हम प्रतियोगी परीक्षा नहीं, युवाओं के धैर्य की परीक्षा आयोजित करवाते हैं। 'देश में आजकल दो चीज़ें सबसे तेज़ चल रही हैं–एक महंगाई और दूसरा पेपर लीक। कभी कहा जाता था कि भारत कृषि प्रधान देश है, अब आराम से कहा जा सकता है– 'भारत पेपर लीक प्रधान देश है।' इस महान परंपरा को संस्थागत रूप देने का ऐतिहासिक कार्य कर रही है नेशनल टेस्टिंग एजेंसी, जिसे छात्र अब प्यार से 'नेशनल टेस्ट लीकिंग अथॉरिटी' या 'नेशनल टेंशन एजेंसी' कहने लगे हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं और सीमित नौकरियों के बीच युवा पहले ही तनाव में रहते हैं। कोई कोटा में मां के गहने बेचकर कोचिंग कर रहा है, कोई रेलवे प्लेटफॉर्म पर बैठकर पढ़ रहा है। फिर परीक्षा आती है और उससे पहले ही प्रश्नपत्र व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी से पीडीएफ बनकर देशभर के शैक्षणिक पर्यटन पर निकल जाता है।

हर बार एजेंसी का बयान भी कम प्रेरणादायक नहीं होता। इस बार कहा गया– 'पूरा पेपर लीक नहीं हुआ, केवल कुछ प्रश्न बाहर गए थे।' यह सुनकर छात्रों को वैसी ही शांति मिली जैसे डॉक्टर कहे– 'घबराइए मत, कैंसर पूरे शरीर में नहीं, सिर्फ कुछ हिस्सों में फैला है।' यही अंदाज़ उस पुराने सरकारी स्पष्टीकरण जैसा है, जब दिल्ली बम विस्फोटों के दौरान कपड़े बदलने पर सफाई दी गई थी– 'छह नहीं, केवल चार बार कपड़े बदले थे। '

अब शायद नई श्रेणियाँ बनेंगी– 'मामूली पेपर लीक', 'मध्यम रिसाव' और 'राष्ट्रहित में नियंत्रित लीक'। एजेंसी यह भी कह सकती है कि पेपर लीक दरअसल सिस्टम की टेस्टिंग थी। जैसे बांध बनाने से पहले पानी छोड़ा जाता है, वैसे ही परीक्षा से पहले प्रश्न छोड़कर देखा गया कि व्यवस्था कितनी मजबूत है। दुर्भाग्य से सिस्टम हर बार उसी मजबूती से टूट जाता है।

देश में अब पढ़ाई से ज्यादा 'सेटिंग' पर भरोसा होने लगा है। छात्र किताबों से ज्यादा टेलीग्राम चैनल खंगाल रहे हैं। मां-बाप पूछते हैं– 'बेटा पढ़ाई कैसी चल रही है?' बेटा जवाब देता है– 'किताबों से ज्यादा फायदा व्हाट्सऐप खंगालने में है।'

हर बड़े पेपर लीक के बाद टीवी डिबेट होती है, जांच समिति बैठती है, कुछ गिरफ्तारियां होती हैं और फिर अगली परीक्षा में वही पुरानी परंपरा निभा दी जाती है। हर बार कहा जाता है– 'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।' और दोषी इतने आत्मविश्वास से घूमते हैं जैसे अगली परीक्षा का प्रश्नपत्र पहले ही मिल चुका हो।

आज युवा परीक्षा देने से ज्यादा परीक्षा रद्द होने का अनुभव रखता है। कई छात्र इतने एग्जाम दे चुके हैं कि अब उन्हें सिलेबस से ज्यादा जांच आयोगों के नाम याद हैं। कोचिंग संस्थान भी समय के साथ ढल चुके हैं। शायद जल्द ही नए कोर्स शुरू हों– 'क्रैश कोर्स फॉर पेपर लीक एनालिसिस' और 'एडवांस्ड व्हाट्सऐप फॉरवर्ड टेक्निक'।

कभी-कभी लगता है कि यह प्रतियोगी परीक्षा नहीं, युवाओं के धैर्य का रियलिटी शो है। पांच साल तैयारी करने वाला छात्र परीक्षा रद्द होने के बाद ट्वीट करता है– 'हम मजबूत हैं, फिर तैयारी करेंगे।' देश का युवा अब प्रतियोगी कम, आध्यात्मिक साधक ज्यादा हो गया है।

और अंत में एजेंसी फिर कहती है– 'सिस्टम पूरी तरह पारदर्शी है।'

हाँ, इतना पारदर्शी कि अगले साल भी प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले दिखाई दे जाएगा।

लोकतंत्र की आत्मा विचारों के मतभेद में समाहित है : नेहरू

भारत की जनता अपने अनुभव से धीरे-धीरे यह बात सीख रही है। यद्यपि सिरफिरों की आज भी कमी नहीं है। एक समय था जब हुकूमत का स्थायित्व जनता को आपस में लड़ाने पर निर्भर था। यह अंग्रेजी राज का समय था। इस काम के लिए चरित्रहीन और जमीरफरोश लोगों को आसानी से काम में लाया जा सकता था। अब स्वतंत्र सरकार के स्थायित्व के लिए एकमात्र शर्त देशव्यापी एकता है। इसके बिना न देश सलामत रह सकता है और न सरकार। कोई निपट मूर्ख भारतीय होगा जो इस बात को न समझता हो और राज्य की ओर से भी अब उन लोगों को शह नहीं मिलती जो धर्म के नाम पर लोगों को लड़ाना चाहते हैं। परदेश में रहते हुए मेरे दिल में पंडित नेहरू के प्रति बड़े आदर और सत्कार की भावना उमड़ पड़ी। वही इन नीतियों के आविष्कारक और कर्णधार हैं। उन्होंने आदर्शों को व्यवहारिक और वैज्ञानिक दृष्टि से देखा है। अमल की यथार्थ राहें ढूंढी हैं।

पुण्यतिथि पर विशेष

चित्रा माली

सहायक प्रोफेसर गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता।

महान अभिनेता बलराज साहनी का यात्रा वृत्तांत 'पाकिस्तान का सफ़र' जो 1980 में हिंदी पॉकेट बुक्स द्वारा प्रकाशित हुआ था। उसमें वे लिखते हैं कि 'एक बार फिर मुझे अपने देश भारत का धर्म-निरपेक्ष विधान मूल्यवान लगने लगा है। उचित बात यही है कि मनुष्य धर्म की दौड़ अपने ज़मीर और अपने भगवान तक ही सीमित रखे। अगर ऐसा करने में वह सफल होता है तो संपूर्ण मनुष्यता के लिए उसके ह्रदय में प्रेम और सम्मान पैदा होगा। यही हमारे पूर्वजों की रीति रही है। धर्म का सामाजिक और राजनीतिक कार्यों में जितना कम प्रवेश हो,उतना ही उत्तम है'। भारत की जनता अपने अनुभव से धीरे-धीरे यह बात सीख रही है। यद्यपि सिरफिरों की आज भी कमी नहीं है। एक समय था जब हुकूमत का स्थायित्व जनता को आपस में लड़ाने पर निर्भर था। यह अंग्रेजी राज का समय था। इस काम के लिए चरित्रहीन और जमीरफरोश लोगों को आसानी से काम में लाया जा सकता था। अब स्वतंत्र सरकार के स्थायित्व के लिए एकमात्र शर्त देशव्यापी एकता है। इसके बिना न देश सलामत रह सकता है और न सरकार। कोई निपट मूर्ख भारतीय होगा जो इस बात को न समझता हो और राज्य की ओर से भी अब उन लोगों को शह नहीं मिलती जो धर्म के नाम पर लोगों को लड़ाना चाहते हैं। परदेश में रहते हुए मेरे दिल में पंडित नेहरू के प्रति बड़े आदर और सत्कार की भावना उमड़ पड़ी। वही इन नीतियों के आविष्कारक और कर्णधार हैं। उन्होंने आदर्शों को व्यवहारिक और वैज्ञानिक दृष्टि से देखा है। अमल की यथार्थ राहें ढूंढी हैं।अपनी जनता के वैचारिक स्तर को ध्यान में रखकर धीरे-धीरे आगे कदम रखा है। उतावलेपन की छलांगें नहीं लगाई। इसी कारण से वे जनता के दिलों में बसे हुए हैं। विश्वासपूर्वक कहा जा सकता है कि ज्यों-ज्यों देश में जागृति आएगी,उनकी बनाई हुई नीतियां और भी शक्तिशाली होती जाएंगी। ये जमाने की मांग है। नेहरू के सेक्यूलर राष्ट्र के विजन ने उन्हें हमेशा सांप्रदायिक ताकतों के विरुद्ध खड़ा किया है। इसलिए ये ताकतें लगातार नेहरू के व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों और कृतित्व की आलोचना करती रहती हैं। जवाहरलाल नेहरू खुद अपनी आलोचना 'चाणक्य' (Chanakya) छद्म नाम से करते थे। उन्होंने इस नाम से नवंबर 1937 में कलकत्ता (अब कोलकाता) से प्रकाशित होने वाली प्रसिद्ध मासिक पत्रिका 'द मॉडर्न रिव्यू' (The Modern Review) में लेख लिखा था। इस लेख का शीर्षक 'राष्ट्रपति' (Rashtrapati) था। इस लेख में उन्होंने चेतावनी दी थी कि 'बड़े और अच्छे कामों को करने की संपूर्ण क्षमता के बावजूद लोकतंत्र में जवाहरलाल जैसे लोगों पर भरोसा नहीं किया जा सकता.... तनिक सी उमेठ काफी होगी और जवाहरलाल एक तानाशाह बन सकते हैं और धीमी गति से चलने वाले लोकतंत्र के विधि विधानों को भुला सकते हैं। लोकतंत्र और समाजवाद की भाषा और नारों को भले ही अपनाए रहें,लेकिन हम सभी जानते हैं कि इसी प्रकार की भाषा पर फासीवाद पला और पुष्ट हुआ है... उनमें तानाशाह बनने के सभी संयोग उपस्थित हैं - महान लोकप्रियता, एक सुनिश्चित उद्देश्य के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति, स्फूर्ति,गर्व,संगठनशक्ति,योग्यता, कड़ाई और जनता के प्रति प्रेम। उनमें दूसरों के लिए एक असहिष्णुता है और अयोग्यों के प्रति तिरस्कार का एक भाव है...काम को पूरा कराने की, जो कुछ नापसंद हो उसे मिटाकर नया निर्माण करने की उनकी प्रगल्भ इच्छा अधिक समय तक लोकतंत्र की धीमी गति से चलने वाली प्रक्रियाओं से मेल नहीं खाती...तानाशाही हमेशा आगे प्रस्तुत रहती है,और क्या यह संभव नहीं कि जवाहरलाल अपने को एक तानाशाह समझने लगें।' इस तरह से नेहरू स्वयं को और अपनी आवाम को लोकतंत्र और नागरिक स्वतंत्रताओं के साथ किसी भी संधि,समझौते के आगाह कर रहे थे।

महात्मा गांधी जी के न रहने पर वे भारतीय राजनीति के लोकप्रिय और शीर्ष नेता थे जिन्हें आवाम का भी प्रेम और सहयोग प्राप्त था। यदि वे चाहते तो आसानी से विपक्ष को खत्म कर सकते थे लेकिन उनका विजन एकदम स्पष्ट था कि लोकतंत्र की आत्मा विचारों के मतभेद में समाहित है भले ही वह विचार कितना ही अल्पसंख्यक क्यों न हो। भारत के प्रधानमंत्री के पूरे कार्यकाल के दौरान भी वे अपने कार्यों की लगातार आलोचना और समीक्षा करते रहे और करवाते रहे हैं। संसद में विशेष चर्चा सत्र देश/विदेश में प्रेस कांफ्रेंस करना और पत्रकारों के सवालों का सामना करना भी उनकी कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा था। आलोचना और असहमति के सिमटते पब्लिक स्फीयर में आज हम इस तरह के साहस की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू संवैधानिक जिम्मेदारी के तहत अपने सभी नागरिकों और खासतौर पर अल्पसंख्यकों को सुरक्षा का एहसास दिलवाना चाहते थे। नेहरू ने अपनी इस प्रतिबद्धता को व्यक्त करने के लिए पत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला भी चलाई थी जिसमें उन्होंने सरदार पटेल सहित सभी प्रदेशों के मंत्रियों को पत्र लिखे थे। हमारे देश में एक मुस्लिम अल्पसंख्यक समाज है और उसकी तादाद इतनी बड़ी है कि वे चाहकर भी कहीं नहीं जा सकते हैं। यह एक मौलिक तथ्य है, जिस पर कोई बहस नहीं हो सकती है। पाकिस्तान की तरफ से जो भी उकसावे की कार्यवाही हो या वहां के अल्पसंख्यकों को जिस किसी भी अमानवीयता और

आतंक से गुजरना पड़े हमें अपने अल्पसंख्यकों के साथ सभ्य तरीके से पेश आना है। हमें उन्हें पूर्ण सुरक्षा देनी है और उन्हें एक लोकतांत्रिक देश के नागरिकों को मिलने वाले सभी प्रकार के अधिकार मिलने चाहिए। अगर हम ऐसा करने में नाकाम होते हैं तो हमारे देश में एक बजबजाता हुआ फोड़ा पैदा हो जाएगा जो आने वाले वक्त में हमारी पूरी राजनीतिक प्रणाली को खत्म कर देगा। पत्र में वे आगे लिखते हैं कि 'सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम अपनी नागरिक सेवाओं को सांप्रदायिक राजनीति के विषाणु से मुक्त रखें '। प्रधानमंत्री नेहरू ने गांधी जी के जन्मदिन के अवसर पर ऐसे अफसरों को चेतावनी दी कि 'वे बड़ी संख्या में हमारे मुस्लिम देशवासियों के मन में अनिश्चितता का वातावरण और असुरक्षा की भावना पैदा करने से बाज आएं'। पाकिस्तान ने अपने आपको इस्लामिक राष्ट्र घोषित किया है उसके बरअक्स हमने भारत को सेक्युलर राष्ट्र कहा है जहां उसके सभी नागरिकों,निवासियों को उनके धर्म की पूरी सुरक्षा है। हमें अपने आदर्शों और अपनी घोषणाओं के प्रति अडिग रहना है। सबसे बड़ी बात गांधी जयंती के अवसर पर हमें याद रखनी चाहिए कि गांधी जी ने हमें क्या सिखाया था और क्यों उन्होंने अपनी जान की कुर्बानी दी थी'। देश में आम चुनाव से पहले 2 जून 1950 को उन्होंने कहा था कि 'मुझे देश में विपक्ष होने का डर नहीं है और न ही मुझे चिंता है कि अगर विपक्षी समूह किसी सिद्धांत, व्यवहार या रचनात्मक मुद्दे के आधार पर अपनी बढ़त बनाते हैं। मैं भारत को एक ऐसा देश बनते नहीं देखना चाहता कि लाखों लोग किसी एक आदमी की हां में हां मिलाएं, मैं एक तगड़ा विपक्ष चाहता हूं।'

देश के पहले आम चुनाव के अभियान के दौरान नेहरू ने सांप्रदायिक संगठनों को खासतौर पर अपने निशाने पर रखा और भारत को हिंदू पाकिस्तान न बनने देने पर लड़ा और जीता भी। नेहरू उन हिंदुस्तानियों के अधिकारों के प्रति चिंतित थे जिनकी संस्कृति और विश्वास बहुसंख्यक समाज के विश्वासों और संस्कृति से अलग थे। नेहरू ने पत्रों की श्रृंखला के एक पत्र में लिखा कि 'अगर भारत को एक लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष,स्थायी और मजबूत राष्ट्र बनना है तो हमारा पहला काम यह होना चाहिए कि हम अपने अल्पसंख्यकों को बिना भेदभाव के उनको उनका उचित हिस्सा प्रदान करें और इस तरह से उन्हें भारत में पूर्ण रूप से पारिवारिक एहसास दिलाएं'।

आजादी के एक दशक से भी अधिक समय बीत जाने पर 1959 में एक भारतीय संपादक ने जो नेहरू की नीतियों के कटु आलोचक और विरोधी थे वे उनकी दो उपलब्धियों को रेखांकित करते हैं। वे उपलब्धियां थीं धर्मनिरपेक्ष राज्य का निर्माण और अछूत जातियों के लिए समान अधिकारों का प्रावधान। 'बंटवारे के बाद सक्रिय हुई प्रतिक्रियावादी शक्तियों के उफान को याद करते हुए' संपादक ने लिखा है कि 'अगर नेहरू ने जरा भी कमजोरी दिखाई होती तो ये ताकतें भारत को एक हिंदू राज्य में तब्दील कर चुकी होतीं जिसमें अल्पसंख्यकों को..... जरा भी सुरक्षा और अधिकार हासिल नहीं हो पाता''। इस बात का 'सदाबहार श्रेय' भी नेहरू को ही जाता है कि उन्होंने अछूत जातियों को बराबरी का अधिकार देने पर जोर दिया 'ताकि सार्वजनिक जीवन में और सरकारी क्रियाकलापों में भारत की धर्मनिरपेक्ष राज्य व्यवस्था में मनुष्य की बराबरी को पूरी तरह कायम रखा जा सके'। वर्तमान समय में धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक समानता या बराबरी की बात करें तो उनसे संबंधित कानून संविधान की किताबों में ही सिमट कर रह गए हैं। अल्पसंख्यक और दलित वर्ग के अधिकांश लोग गरीबी में और हाशिए पर ही जिंदगी जी रहे हैं। हिंसा की आशंका भी कभी दूर नहीं हो पाई। सभी नागरिकों को समान अधिकार देने के मामले में रफ्तार भी धीमी रही है। लेकिन फिर भी भारत की स्वतंत्रता के पहले सत्रह सालों या कहें नेहरू के कार्यकाल में उतनी प्रगति तो अवश्य हुई है,जितनी इससे पहले की सत्रह शताब्दियों में नहीं हुई थी। नेहरू लोकतांत्रिक संस्थाओं को बनाते हुए इस बात का खासा ध्यान रखते थे कि इसमें राज्य का कम से कम हस्तक्षेप हो,भले वह न्यायपालिका, कार्यपालिका या दूसरी संस्थाएं हों।

शैक्षणिक संस्थाओं को वे राज्य के हस्तक्षेप से पूरी तरह से स्वतंत्र रखने के पक्षधर थे, क्योंकि लोकतंत्र के चलायमान रहने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। दिसंबर 1947 को उन्होंने कहा था कि 'विश्वविद्यालय मानवतावाद के लिए हैं। सहिष्णुता, तर्क,विचारों के रोमांच और सत्य की खोज के लिए.... अगर विश्वविद्यालय अपने दायित्व अच्छे से निभाते हैं, तो यह राष्ट्र के लोगों के लिए अच्छा है। लेकिन अगर ज्ञान के मंदिर ही खुद संकीर्ण कट्टरता और ओछे मकसदों का घर बन जाते हैं जो फिर देश कैसे तरक्की करेगा और लोगों का कद कैसे बढ़ेगा '। आज भी नेहरू की वैज्ञानिक सोच,तार्किकता,साहस,लोकतांत्रिक व्यवस्था, लोकतांत्रिक मूल्यों और धर्मनिरपेक्षता के प्रति उनकी निष्ठा हमें उनका कायल बनाती है। आज के समय में नेहरू के विचारों को जानना, समझना और उनका विश्लेषण करना अत्यंत ही आवश्यक हो गया है। ताकि हम भी धर्म, जाति, रंग, नस्ल,लिंग से परे मनुष्य को सिर्फ मनुष्य समझकर व्यवहार करें,जो प्रकृति का नियम है,प्रेम का नियम है। नेहरू की नए भारत की परिकल्पना और प्रतिबद्धता को आलोचनात्मक विवेक के साथ आत्मसात करना जरुरी है ताकि वर्तमान में जारी समस्याओं के समाधानों को भी खोजा जा सके।

बच्चों के बीच हंसने-खेलने वाले 'चाचा नेहरू'

62वीं पुण्यतिथि पर विशेष

गौरव अवस्थी

(स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक)

देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 27 मई 1964 को अंतिम सांस ली थी। दोपहर 2:20 बजे तत्कालीन गृहमंत्री गुलजारीलाल नंदा और टीटी कृष्णमाचारी ने लोकसभा में उनके निधन की आधिकारिक घोषणा की। खबर फैलते ही पूरा देश शोक में डूब गया। उनकी अंतिम यात्रा में लाखों लोग उमड़े और देशभर में श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित हुईं। बच्चों के प्रति विशेष स्नेह के कारण ही पंडित नेहरू को देश ने 'चाचा नेहरू' की जनउपाधि दी। आज भी 14 नवंबर उनके जन्मदिन पर बाल दिवस मनाया जाता है। हालांकि बहुत कम लोगों को याद है कि उनकी अध्ययनशील प्रवृत्ति के सम्मान में 14 से 21 नवंबर तक 'राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह' भी मनाया जाता है। किशोरावस्था में ही वे अपने शिक्षक टी.एफ. ब्रुक्स की प्रेरणा से विश्व साहित्य और इतिहास की अनेक पुस्तकों का गंभीर अध्ययन कर चुके थे।

पंडित नेहरू के बच्चों के प्रति प्रेम के अनेक प्रसंग चर्चित हैं, लेकिन उनकी 62वीं पुण्यतिथि पर एक ऐसा संस्मरण उल्लेखनीय है जो अपेक्षाकृत कम चर्चा में रहा। यह प्रसंग गांधीवादी प्रकाशन संस्था सस्ता साहित्य मंडल से जुड़े मार्तंड उपाध्याय के संस्मरणों पर आधारित है। सस्ता साहित्य मंडल की स्थापना 1925 में उद्योगपति जमनालाल बजाज ने

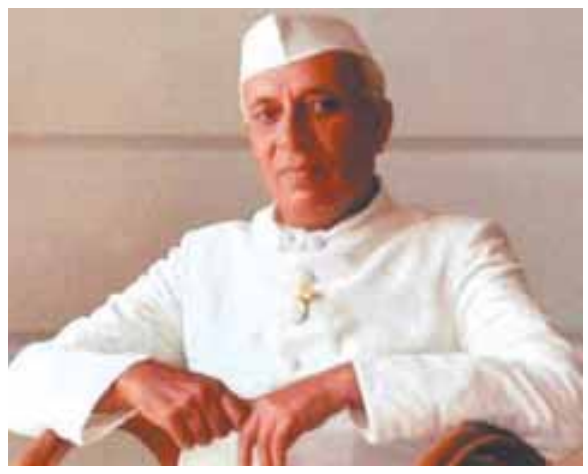

गांधीवादी विचारों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से कराई थी। इसके संचालन की जिम्मेदारी साहित्यकार पंडित हरिभाऊ उपाध्याय को सौंपी गई थी। बाद में इसका मुख्यालय दिल्ली आ गया, जहां हरिभाऊ जी के छोटे भाई मार्तंड उपाध्याय ने कार्यभार संभाला। मंडल से पंडित नेहरू की अंग्रेजी पुस्तकों – 'मेरी कहानी', 'हिंदुस्तान की कहानी' और 'विश्व इतिहास की झलक' – के हिंदी अनुवाद प्रकाशित हुए। इसी सिलसिले में मार्तंड जी का नेहरू से लगातार संपर्क बना।

मार्तंड उपाध्याय अपनी पुस्तक 'वे दिन वे लोग' में एक दिलचस्प घटना का उल्लेख करते हैं। उन दिनों कांग्रेस के भीतर मतभेदों का दौर था और वातावरण तनावपूर्ण था। इसी बीच कमलनयन बजाज और मार्तंड उपाध्याय पंडित नेहरू से मिलने पहुंचे। बातचीत के दौरान कमलनयन बजाज ने मुंबई में आयोजित होने वाले 'बालकन-जी-बारी' उत्सव में शामिल होने का आग्रह किया और उनसे संस्था का 'पैट्रन' बनने का अनुरोध किया। इतना सुनते ही पंडित नेहरू लगभग उछल पड़े। उन्होंने कहा – 'मैं पैट्रन नहीं बन सकता। मुझे यह सब ढकोसले पसंद नहीं। राष्ट्रपति जी पैट्रन बन सकते हैं, वे बुजुर्ग हैं। लेकिन मैं तो बच्चों के बीच जाऊंगा – हंसने, खेलने, कूदने, मिलने और उनसे बातें करने। यही मुझे अच्छा लगता है। 'नेहरू का यह सहज और बालसुलभ उत्तर उनके व्यक्तित्व की असली पहचान था। सत्ता के सर्वोच्च पद पर पहुंचने के बावजूद उन्होंने औपचारिकता और आडंबर से दूरी बनाए रखी। बच्चों के बीच घुल-मिल जाने वाला यही स्वभाव उन्हें 'चाचा नेहरू' बनाता है।

आज उनके निधन के 62 वर्ष बाद भी देश में लोग उन्हें केवल प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि बच्चों के प्रिय 'चाचा नेहरू' के रूप में अधिक याद करते हैं।

आनंद भवन आजादी के पूर्व बाद की ऐतिहासिक धरोहर

पुण्य तिथि

आर.बी. त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

प्रयागराज का सनातन धर्म में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। प्रयागराज (बोलचाल में आज भी इलाहाबाद प्रचलित) महज पवित्र नदियों का संगम स्थल ही नहीं बल्कि महाकुंभ के आयोजन, लेटे हनुमान जी मंदिर के साथ यहां की ऐतिहासिक, धार्मिक,साहित्यिक, और सांस्कृतिक धरोहर के लिये जाना जाता है। साहित्यिक परंपरा की बात करें तो अमृत लाल नागर और मधुशाला जैसी कालजयी रचना देने वाले हरिवंश राय बच्चन जैसी हस्तियों और उनकी रचनाओं के लिये भी मशहूर है।

सियासत के दौर का स्मरण करें तो स्व. पंडित मोतीलाल नेहरू, देश के प्रथम प्रधान मंत्री स्व. जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गाँधी, वी.पी. सिंह राजा मांडा, इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा राज नारायण की याचिका पर इंदिरा जी के विरूद्ध दिये गये ऐतिहासिक फैसले के लिये भी याद किया जाता है।

इसके अतिरिक्त यहाँ की एक और अमूल्य ऐतिहासिक महत्व की धरोहर है आनंद भवन जो अब संग्रहालय के रूप में स्मृतियों को अपने में समेटे हुए हैं यह किसी एक परिवार,कुनबे का इतिहास नहीं बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन के पूर्व और आजाद भारत की महत्वपूर्ण घटनाओं को सुव्यवस्थित रूप से सुरक्षित रखे हुए हैं। इस भवन में महात्मा गाँधी का कक्ष है जहां ठहरकर वे तत्कालीन समय की महत्वपूर्ण मंत्रनाओं, फैसलों को अंतिम रूप देने में अपनी राय देते थे। कांग्रेस कार्यकारिणी का बैठक कक्ष,अध्ययन कक्ष जैसे भाग तत्कालीन दौर के घटनाक्रम के साक्षी बने हुए हैं।

आनंद भवन का निर्माण पंडित मोतीलाल नेहरू ने 1930 के दशक में कराया था। भवन की वास्तुकला उस समय की प्रचलित आधुनिक शैली को दर्शाती है। पंडित जवाहर लाल नेहरू का बचपन और बाद के जीवन का बड़ा वक्त यहीं बीता। यह भवन उस दौर के कई ऐतिहासिक क्षणों का साक्षी रहा है जो भारत के भविष्य को आकार देने में अविस्मरणीय साबित हुए हैं। कालांतर में पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गाँधी ने आनंद भवन की इस ऐतिहासिक इमारत को 1970 में राष्ट्र को समर्पित किया।

राजा महाराजाओं के किले आदि में से ज्यादातर अब संरक्षित होकर पर्यटक स्थल और होटल्स तथा रिसॉर्ट में तब्दील हो गये लेकिन किसी परिवार द्वारा अपने पुरखों की अमूल्य धरोहर को राष्ट्र को समर्पित किया गया हो ऐसे उदाहरण बिरले ही मिलते हैं। आज के सियासतदां के लिये यह एक अनूठा और अनुकरणीय उदाहरण है। आज यह भवन एक महत्वपूर्ण संग्रहालय के रूप में अवस्थित है। यहाँ ना केवल नेहरू - इंदिरा जी के परिवार की दुर्लभ तस्वीरें, निजी उपयोग की वस्तुएं, अनेक दस्तावेज तथा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी अनेक यादगार चीजें करीने से प्रदर्शित की गई हैं। बल्कि इसके विशाल परिसर में स्थित स्वराज भवन भी ऐतिहासिक दृष्टि से खास है। यह स्थान ना केवल इतिहास की दुर्लभ जानकारी से अवगत कराता है बल्कि नई पीढ़ी को भारत के स्वतंत्रता संग्राम के बारे में जागरूक बनाने का महत्वपूर्ण जरिया है।

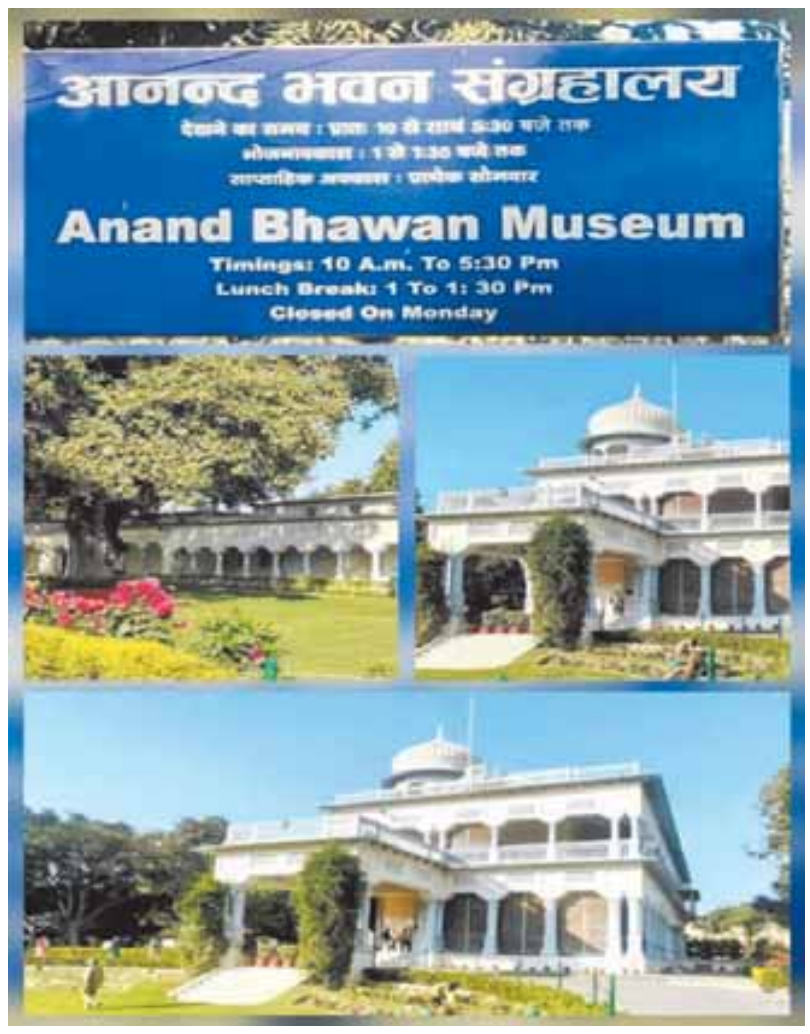

आनंद भवन जिन बेशकीमती अमूल्य धरोहर को अपने में संजोये हुए हैं उनमें पंडित मोतीलाल नेहरू का पर्स, होम्योपैथिक दवाओं का बैग, तत्कालीन दौर में प्रचलित छोटी इस्त्री (प्रेस), पुरानी चिट्ठियां, पुस्तकें, पंडित जवाहर लाल नेहरू के जीवन से जुड़ी अनेक दुर्लभ स्मृतियां, फोटोग्राफ, इंदिरा जी को हाथ से लिखा पत्र आदि शामिल हैं। इनके अतिरिक्त मोतीलाल नेहरू ने इंदिरा गांधी के जन्म पर लिखे विचार ' यह कन्या हजारों पोतों के बराबर होगी' भी सुरक्षित है। संग्रहालय में पारिवारिक धरोहर कक्ष, कांग्रेस कार्यकारिणी का बैठक कक्ष, पुराने समय के टेलीफोन उपकरण, इंदिरा फिरोज विवाह स्थल, वैवाहिक कार्यक्रम का हाथ से लिखा निमंत्रण पत्र, आदि बड़े करीने से संजोकर रखे हुए हैं। संग्रहालय परिसर में स्वराज भवन, जवाहर तारामंडल, बड़ा सा सुंदर गार्डन, हरी भरी घासयुक्त लॉन और भरद्वाज पार्क आदि भी सुव्यवस्थित और मेंटेन हैं।

प्रयागराज यात्रा का खास मकसद पवित्र संगम पर स्नान, लेटे हनुमान जी मंदिर सहित अन्य मंदिरों पर पूजा-अर्चना होता है। हम संगम पर नाव से पहुंचकर यमुना, गंगा, सरस्वती की त्रिवेणी पर पहुंचते हैं। सरस्वती नदी यहां अदृश्य रूप से पाई जाती है ऐसा उल्लेख शास्त्रों में है।संगम पर बीच मझधार में नावों को आपस में जोड़कर जुगाड़ टेक्नॉलाजी के जरिये स्नान की जगह बनाई गई है। यहां खासकर महिला श्रद्धालुओं के स्नान और वस्त्र बदलने की व्यवस्था की कमी नजर आती है। हर कोई पंडे आपके हाथ में नारियल देकर घेरने की कोशिश करते हैं। यदि आप विरोध करते हैं तो कथित श्राप देने की धमकी देते हैं। निश्चित रूप से ये पंडे पुजारी तो नहीं हो सकते लेकिन इन्हें रोकने वाला यहां कोई नहीं होता। तीर्थों में ऐसे दृश्य आपकी श्रद्धा पर बुरा असर डालते हैं। संगम से गंगाजल पात्र में भरने के लिये स्वच्छ जल भरकर लाने के लिये बहुत प्रयत्न करना होता है। माघ मेला समाप्त हो जाने पर भी उस वक्त श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ था। हमारे नाविक अनंत केवट इलाहाबाद और संगम से जुड़ी रोचक जानकारी देते हुए बताते हैं कि यहां निषाद समाज के लोग ही चप्पू वाली नौकाएं चलाते हैं। इस काम में भी ठेकेदारी प्रथा है हालांकि सरकारी इंतजामों को लेकर मोटर बोट भी चलती है। तत्कालीन सांसद और अभिनेता अमिताभ बच्चन ने सरस्वती घाट का निर्माण कराया था जो अब सेना के उपयोग तथा नियंत्रण में है प्रयागराज और संगम पर स्नान का शास्त्रों में अत्यधिक महत्व निरूपित किया गया है। राम चरित मानस में कहा गया है ' उतरि ठाड़ भये सुरसरि रेता सीय राम गुह लखन समेता' तथा ' सियँ सुरसरि कहेउ कर जोरी मातु मनोरथ पुरउबि मोरी ।' इसी प्रकार ' राम कीन्ह विश्राम निशि प्रात प्रयाग नहाइ चले सहित सिय लखन जन मुदित मुनिहि सिरु नाइ।' गंग वचन सुनि मंगल मूला मुदित सीय सुरसरि अनुकूला।' यहां सुरसरि से आशय पवित्र गंगा से है। इसी तरह संगम पर सरस्वती नदी अदृश्य रूप से प्रवाहित होकर प्रयागराज पहुंचती है। यह तथ्य शास्त्रोक्त है कि यहां आकर सरस्वती गंगा यमुना के साथ संगम करती है ।ऐसे अन्य कारण भी हैं जिनके चलते इलाहाबाद (प्रयागराज) का अत्यधिक महत्व बताया गया है।

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में महिला कर्मयोगी बहनों को निःशुल्क ई-साइकिलें बांटी

ई-साइकिलों के प्रयोग से महिला कर्मयोगियों को मिलेगी शक्ति : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सीएसआर फंड से जिला प्रशासन उज्जैन ने उपलब्ध करवाई ई-साइकिलें

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है। मध्यप्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण को गति देने के लिए संकल्पित है। प्रदेश की सभी माताएं-बहनें अपने जीवन में सुख-समृद्धि, आनंद और वैभव प्राप्त करें। दुनिया में पेट्रोल-डीजल से दाम बढ़ रहे हैं। महिला कर्मयोगी बहनों को निःशुल्क मिलीं ई-साइकिलें शक्ति प्रदान करेंगी। वैश्विक ऊर्जा संकट के दौर में इलेक्ट्रिक व्हीकल सबसे अच्छा विकल्प हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को उज्जैन में 40 महिला कर्मयोगी बहनों को ई-साइकिलें बांटने के बाद जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे। साइकिलें उज्जैन जिला प्रशासन ने सीएसआर फंड के माध्यम से उपलब्ध कराई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ई-साइकिलें उपलब्ध कराने वाली कंपनी के प्रयास को सराहा और लाभ प्राप्त करने वाली बहनों के बधाई दी।

आमजन के परिश्रम से जल संरक्षण के कार्यों में मध्यप्रदेश बना नंबर-1- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार जल संवर्धन की दिशा में लगातार तीसरे वर्ष विकास कार्यों को गति दे रही है। प्रदेश में जल गंगा संरक्षण महाभियान के जरिए गुड़ी पड़वा से लेकर 30 जून तक लगभग 10 हजार करोड़ से अधिक लागत के कार्य शामिल हैं। इनमें नदी, तालाब, पोखर, कुएं, बावड़ियों के जीर्णोद्धार के कार्य किए जा रहे हैं। प्रमुख नदियों के उद्गम स्थलों पर जल संरक्षण के लिए विशेष गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। जल संरक्षण के कार्यों के लिए मध्यप्रदेश को देश में प्रथम स्थान मिला है। यह प्रदेशवासियों के परिश्रम का फल है।

भोजशाला के निर्णय का सभी वर्ग के लोगों ने किया सम्मान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार स्थित भोजशाला में गंगा दशहरा उत्सव धूमधाम से मनाया गया है। भोजशाला के संबंध में आए उच्च न्यायालय के फैसले का हिंदू-मुस्लिम सहित सभी वर्ग के लोगों ने सम्मान किया है। पहले अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर निर्माण और वर्तमान में धार की भोजशाला को लेकर हमारे मतों में भिन्नता हो सकती है। राज्य सरकार न्यायालय के निर्णय को सफलतापूर्वक लागू करा रही है।

सीमेंट वाले जीरे के बाद अब केमिकल वाला धनिया पाउडर

ब्यावरा में पकड़ी गई मिलावट करने वाली फैक्ट्री

राजगढ़ (नप्र)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा शहर में लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ करने वाले एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। ब्यावरा सिटी थाना पुलिस और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने कमला लॉज के पीछे स्थित एक किराए की दुकान पर छापा मारकर नकली धनिया बनाने वाली फैक्ट्री को सील कर दिया है। इससे पहले मध्य प्रदेश के ही ग्वालियर में सौंफ के ऊपर सीमेंट लगाकर उसे जीरा बनाकर बेचा जा रहा था।

शहर थाना टीआई शिवराजसिंह चौहान ने बताया कि मुखबिर से मिली सटीक सूचना के बाद एसआई विवेक शर्मा और खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। मौके से दो आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है, जबकि कुल तीन लोगों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 और मिलावटखोरी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपी नानकराम वर्मा और गोपाल वर्मा बाजार से बेहद कम दाम में धनिया के डंठल खरीदते थे। इसके बाद ग्राइंडर चक्की की मदद से उसे पीसकर बुरादा तैयार किया जाता था।

ब्रह्मलीन मुद्गल जी का जन्मोत्सव मनाया

सोहागपुर। समीपवर्ती ग्राम सेमरीहरचंद में आयोजित श्री राधा कृष्ण महाशक्ति महायज्ञ के तृतीय दिवस 25 मई को संध्या आरती उपरांत यज्ञ के प्रेरणा स्रोत ब्रह्मलीन पंडित गृहस्थ संत परम पूज्य गुरुदेव पंडित मनमोहन जी मुदगल के 78वें जन्मोत्सव को बड़े हर्षोल्लास के साथ

मनाया गया। इस अवसर पर ब्रह्मलीन पंडित मनमोहन मुद्गल के शंभू दरबार के गादीधारी पंडित प्रकाश मनमोहन मुद्गल विशेष रूप से उपस्थित थे। श्री कृष्ण राधा कृष्ण महाशक्ति महायज्ञ में पूज्य गुरुदेव के विभिन्न जगहों से आऐ हुए जबलपुर ,नरसिंहपुर ,भिलाई ,दिल्ली, मुंबई , इटारसी, होशंगाबाद ,हरदा, इन्दौर, भोपाल,कटनी, पिपरिया एवं क्षेत्रीय सभी शिष्य परिवार द्वारा बड़े भावपूर्ण तरीके से जन्मोत्सव मनाया गया। जन्मदिन के उपलक्ष पर पूज्य गुरुदेव के ज्येष्ठ पुत्र वर्तमान गादीधारी पं. प्रकाश मनमोहन जी का लड्डों से तुलादान किया गया। श्री राधा कृष्ण महाशक्ति महायज्ञ में रात को वृन्दावन के रासमंडली ने रासलीला का मंचन किया गया।

भोपाल में बनने जा रहा है पहला सरकारी डॉग शेल्टर

1 एकड़ में खुलेगा आधुनिक सेंटर, 2000 कुत्तों को रखने की क्षमता

भोपाल (नप्र)। शहर को आवारा कुत्तों के आतंक से मुक्ति दिलाने और सार्वजनिक जगहों को सुरक्षित बनाने के लिए भोपाल नगर निगम ने एक बड़ा मास्टर प्लान तैयार किया है। सुप्रीम कोर्ट के नवंबर 2025 के निर्देश का पालन करते हुए बीएमसी कोलाज के कलियासोत इलाके में शहर का पहला सरकारी डॉग शेल्टर बनाने जा रही है। एक एकड़ में फैलने वाले इस आधुनिक केंद्र में करीब 1,500 से 2,000 आवारा कुत्तों को एक साथ रखने की क्षमता होगी। इस प्रोजेक्ट के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि शहर की सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर आवारा कुत्तों की समस्या काफी हद तक कम हो जाएगी।

इन 9 'नो-डॉग जोन्स' पर रहेगा पहला फोकस

बीएमसी के वेटरनरी विंग के अधिकारियों के मुताबिक, शुरुआती चरण में शहर के नौ चिन्हित 'नो-डॉग जोन्स' से ही कुत्तों को पकड़कर इस नए शेल्टर होम में शिफ्ट किया जाएगा। इन जोन्स में स्कूल, अस्पताल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स शामिल हैं, जहां आवारा कुत्तों की मौजूदगी के कारण सुरक्षा और स्वच्छता पर लगातार सवाल उठते रहे हैं।

खेलकूद प्रशिक्षण शिविर में क्रिकेट, कराटे, फिजिकल एक्टिविटीज, फिटनेस ट्रेनिंग, ताइक्वांडो आदि खेलों का प्रशिक्षण विभिन्न प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया जाएगा

धार। धार जिला क्रिकेट एसोसिएशन, धार जिला स्पोर्ट्स एंड कल्चरल सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में स्वर्गीय अरविंद काशिव (वरिष्ठ पत्रकार) एवं स्वर्गीय संदीप कराले (वरिष्ठ समाजसेवी) की स्मृति में आयोजित 36वें ग्रीष्मकालीन खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ शैलाराजे पवार के मुख्य आतिथ्य एवं नेहा महेश बोडाने, अध्यक्ष नगर पालिका धार, की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

इस खेलकूद प्रशिक्षण शिविर में क्रिकेट, कराटे, फिजिकल एक्टिविटीज, फिटनेस ट्रेनिंग, ताइक्वांडो आदि खेलों का प्रशिक्षण विभिन्न प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया जाएगा। बच्चों की प्रतिभा को निखारने हेतु यह प्रशिक्षण शिविर प्रतिदिन धर पब्लिक स्कूल के खेल मैदान पर आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा महाराज स्वर्गीय हेमेंद्र सिंह पवार, स्वर्गीय अरविंद काशिव एवं स्वर्गीय संदीप कराले के चित्रों पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत कल्पना जोशी (वरिष्ठ समाजसेवी) द्वारा किया गया। शैलाराजे पवार का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। वहीं श्रीमती नेहा महेश बोडाने का स्वागत जगदीश शर्मा (योग गुरु) एवं डिंपल परमार (कराटे खिलाड़ी) द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत यशवंत निकम, अम्बालाल पाटीदार, कपिल यादव, विजय सोलंकी, राम सोलंकी एवं कुशल शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का स्वागत भाषण एवं प्रस्तावना जगदीश शर्मा (योग गुरु) द्वारा प्रस्तुत की गई। अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदीप जी जोशी द्वारा भेंट किए गए। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन राम गोपाल शर्मा 'गुरूजी' द्वारा किया गया।

म.प्र. आदिवासी विकास परिषद के तत्वावधान में थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा

सोहागपुर। मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद के जिलाध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद अरुण प्रधान नर्मदापुरम के नेतृत्व में थाना प्रभारी राहुल रायकवार ने विगत दिनों भानूसिंह ठाकुर के बोरवेल मशीन से मृत्यु हो जाने के संबंध में ज्ञापन सौंपा इस ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि भानू सिंह ठाकुर आत्मज श्री सुखमनसिंह ठाकुर निवासी इंदिरागांधी वार्ड तहसील पिपरिया जिला नर्मदापुरम का निवासी था। दिनाँक 10.04.2026 को बोरिंग मशीन का काम करने के लिए मुरारी गोस्वामी के साथ ग्राम माछा गये हुऐ थे।

दिनाँक 13.04.2026 को माछा में किसी किसान के खेत में बोरिंग का ट्रेक्टर, मशीन कार्य करते समय मजदूर भानूसिंह ठाकुर के ऊपर गिर गई थी ।घायल अवस्था में मुरारी गोस्वामी अस्पताल ले जाया गया ।वहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई ।बोरिंग मशीन के मालिक मुरारी गोस्वामी ने कहा था। कि गरीब आदिवासी मजदूर का इलाज एवं परिवार की सहायता करूंगा। लेकिन कुछ समय बाद वह सारी बातों से मुकर गया। इस कारण थाना प्रभारी से विनम्र निवेदन है कि मुरारी गोस्वामी के ऊपर एस.टी.एस.सी. एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गरीब आदिवसी महिला को न्याय दिलाया जाय। इस ज्ञापन की प्रति के साथ एस.पी. साहब नर्मदापुरम को दी गई आवेदन की छायाप्रति संलग्न है। इस अवसर पर अरूण प्रधान, भगवानदास ठाकुर सहित कई सजातीय बन्धु उपस्थित थे।

'सीखो-कमाओ योजना' से संवर रहा भविष्य; ट्रेनिंग के साथ दो युवाओं को मिली पक्की नौकरी, 1040 पदों पर भर्ती जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना' (MMSKY) युवाओं के लिए न केवल कौशल विकास का जरिया बन रही है, बल्कि उनके रोजगार के सपनों को भी सीधे उड़ान दे रही है। इसी कड़ी में ऊर्जा विभाग के अंतर्गत मध्य क्षेत्र वितरण कंपनी लिमिटेड में ट्रेनिंग ले चुके दो होनहार युवाओं को उनकी कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर नियमित रोजगार प्राप्त हुआ है।

सफलता की कहानी: आयुषी और विवेक ने हासिल किया मुकाम- मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के सफल क्रियान्वयन के तहत प्रशिक्षण पाकर सफलता का मुकाम हासिल करने वाले दो युवाओं ने अपनी कहानी साझा की है:

- **आयुषी दुबे:** ग्वालियर की रहने वाली आयुषी ने कंपनी में ग्रेजुएट इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल) प्रशिक्षु के रूप में कार्य करना शुरू किया था। ट्रेनिंग के दौरान उन्होंने तकनीकी ज्ञान, व्यावहारिक अनुभव और संगठन की कार्य संस्कृति को गहराई से समझा। कंपनी में सहयोगी माहौल और सीनियर अधिकारियों के मार्गदर्शन की बदौलत उन्होंने प्रतियोगी परीक्षा पास की और आज मध्य क्षेत्र वितरण कंपनी में जूनियर इंजीनियर के पद पर नियमित सेवाएं दे रही हैं।

- **विवेक अहिरवार:** भोपाल जिले के रहने वाले विवेक ने योजना के तहत कंपनी के आईटी (IT) सेल में ऑन-जॉब ट्रेनिंग (OJT) ली। ट्रेनिंग के दौरान काम के प्रति उनकी लगन और सीखने की इच्छा को देखते हुए मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने उन्हें ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी (GET) का प्रस्ताव दिया। विवेक बताते हैं कि इस योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है और अब वे अपने परिवार को आर्थिक रूप से सहयोग कर पा रहे हैं।

क्या है योजना और कैसे करें आवेदन?

गौरतलब है कि 'मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना' के तहत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा आईटीआई, डिप्लोमा, और स्नातक पास बेरोजगार युवाओं को ऑन द जॉब ट्रेनिंग के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कंपनी द्वारा वर्तमान में अलग-अलग 10 ट्रेडों में युवाओं को प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से MMSKY पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं।

कंपनी में कुल 1562 स्वीकृत पदों में से 522 प्रशिक्षुओं की भर्ती की जा चुकी है, जबकि 1040 रिक्त पदों जिनमें इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के 304 पद, लाइनमैन के 193 पद, इलेक्ट्रिशियन के 179 पद, स्टेनो इंग्लिश के 135 पद, स्टेनो हिंदी के 89 पद, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (COPA) के 71 पद, सिविल इंजीनियर के 30 पद, इन्फॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन ऑन टेक्नोलॉजी सिस्टम मेंटेनेंस के 17 पद, अकाउंट एग्जीक्यूटिव के 12 पद एग्जीक्यूटिव एचआर के कुल 10 रिक्त पदों पर युवाओं से आवेदन मांगे गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी प्रशिक्षण से संबंधित अर्हताओं, रिक्त स्थानों के विवरण तथा अन्य आवश्यक जानकारी https//mmsky.mp.gov.in/ पोर्टल पर देख सकते हैं और अपनी योग्यता अनुसार ऑनलाइन आवेदन दर्ज कर सकते हैं।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने कहा है कि 'मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना' के तहत व्यापक स्तर पर औपचारिक शिक्षा प्राप्त युवाओं को कंपनी में छात्र प्रशिक्षणार्थी के रूप में ऑन द जॉब ट्रेनिंग की सुविधा मिल रही है। इससे एक ओर जहां युवाओं को औद्योगिक एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर उन्हें काम के बदले मिलने वाले स्टाइपेंड से बेहतर आय का स्रोत भी मिल रहा है, जो उनके भविष्य के करियर विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

राज्य निर्वाचन आयोग प्रेक्षक श्री अहमद ने निर्वाचन शाखा का किया निरीक्षण

सोहागपुर। राज्य निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक श्री निसार अहमद सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक अधिकारी ने मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 2026 की तैयारियों की समीक्षा की। उनके साथ लायजनिंग अधिकारी, प्रभारी खनिज निरीक्षक नर्मदापुरम श्री कृष्णकांत परस्ते भी साथ थे। इस अवसर अनुविभागीय एवं रिजिस्टीकरण अधिकारी प्रियंका भल्लावी तहसीलदार आर एस झरबड़े उपस्थित थे। इसी क्रम में श्री अहमद ने नगरीय निकाय एवं पंचायत की फोटो युक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण (रिवीजन) वर्ष 2026 की तैयारियों को लेकर निर्वाचन शाखा का औचक निरीक्षण किया। आपने मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रगति और व्यवस्थाओं का बारीकी से अध्यन करके जायजा लिया। आपने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य निर्वाचन आयोग की मंशानुसार पूरी पारदर्शिता एवं शुद्धता के साथ मतदाता सूची तैयार की जाए।ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे।

पुनरीक्षण कार्य की विस्तृत जानकारी ली- राज्य निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक श्री अहमद ने निरीक्षण के दौरान स्थानीय अधिकारियों ने अब तक की गई तैयारियों और डेटा प्रविष्टि की प्रगति से अवगत कराया। प्रमुख रूप से अनुविभागीय एवं रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, पंचायत सुश्री प्रियंका भल्लावी, नगरीय रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, तहसीलदार आर एस झरबड़े, खंड पंचायत अधिकारी गौरीशंकर मेहरा, राजस्व निरीक्षक नगर पंचायत संजय परसाई,, निर्वाचन सहायक प्रोग्रामर अमित कुमार मिश्रा एवं संदीप कुशवाहा आदि से पुनरीक्षण की जानकारी ली। प्रेक्षक श्री निसार अहमद ने निर्वाचन शाखा के तकनीकी और प्रशासनिक कार्यों पर संतोष व्यक्त किया है। आपने समय-सीमा के भीतर सभी बचे शेष कार्यों को शुद्धता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

आरोह ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में पुलिस ने दी गुड टच एवं बेड टच, यातायात की जानकारी

सोहागपुर। प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में जवाहरलाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय परिसर मे आरोह ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण एवं व्यक्तित्व विकास अभियान के तहत अनुविभागीय अधिकारी प्रियंका भल्लावी,सहायक उपनिरीक्षक गणेश राय एवं मनोज सिंह राजपूत, आरक्षक मनोहर दायमा, युवा एवं कल्याण विभाग की चंदा मिश्रा आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर एएसआई गणेश राय ने उपस्थित युवाओं एवं मातृशक्ति को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें। एक साथ तीन व्यक्ति वाहन पर सवार न हों,तेज रफ्तार से दुर्घटनाओं को संभावना रहती है। इसलिए वाहन को सुरक्षित होकर चलाएं। आपने बच्चाचों को नशा मुक्ति एवं गुड टच बेड टच की विस्तृत जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार युवाओं और बच्चों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने,आधुनिक प्रशिक्षण देकर उनके सर्वांगीण विकास करने के लिए ग्रीष्मकालीन खेल कूद प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर रही है।आरोह' अभियान की मुख्य विशेषताएं समर कैंप में विभिन्न खेल और रचनात्मक गतिविधियों का महाअभियान चलाकर बच्चों का विकास करना है। इसके साथ ही बच्चों को मोबाइल की लय से भी दूर करने का प्रयास है।इस अवसर बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अनुविभागीय अधिकारी प्रियंका भल्लावी ने सारगर्भित उद्बोधन दिया। उल्लेखनीय है कि जवाहरलाल नेहरू स्मृति महाविद्यालय में ग्रीष्मकालीन खेल कूद प्रशिक्षण शिविर में हाकी,वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, फुटबॉल, आदि के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस आदि पर कोचों द्वारा आधनिक तकनीक से ट्रेनिंग दी जा रही है। इस अवसर पर खेल प्रशिक्षक भी उपस्थित थे।

ताप्ती और शनि सरोवर को गंदे पानी से मिलेगी राहत

7 करोड़ 80 लाख की वॉटर ट्रीटमेंट योजना स्वीकृत, टेंडर प्रक्रिया पूरी

बैतूल/मुलताई। वर्षों से गंदे एवं सीवरयुक्त पानी की समस्या झेल रहे मुलताई नगर के ताप्ती जलमार्ग, ताप्ती सरोवर और शनि सरोवर को अब राहत मिलने की उम्मीद जगी है। मुलताई नगर पालिका ने लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट योजना के अंतर्गत लगभग 7 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से वॉटर ट्रीटमेंट योजना को स्वीकृति प्रदान कर दी है। योजना की सभी प्रशासनिक एवं तकनीकी औपचारिकताएं पूर्ण होने के साथ ही टेंडर प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। अब सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह महत्वाकांक्षी योजना धरातल पर किस प्रकार लागू होती है और ताप्ती सरोवर एवं जलमार्ग में पहुंचने वाले गंदे पानी को रोकने में कितनी प्रभावी साबित होती है।

क्या है वाटर ट्रीटमेंट योजना- मुलताई नगर पालिका द्वारा तैयार की गई इस योजना का मुख्य उद्देश्य ताप्ती वार्ड रेलवे लाइन क्षेत्र से निकलने वाले प्रमुख जलमार्ग में बहकर आने वाले गंदे पानी को ट्रीट कर स्वच्छ जल को अलग करना है। इसके लिए चरणबद्ध तरीके से विभिन्न स्थानों पर ट्रीटमेंट संरचनाएं विकसित की जाएंगी। योजना के तहत पहला ट्रीटमेंट स्ट्रक्चर दुर्गा माता मंदिर के पास बनाया जाएगा। यहां गंदे पानी को रोककर साफ एवं दूषित जल को अलग-अलग हिस्सों में विभाजित किया जाएगा, जिसके बाद पानी को अगले ट्रीटमेंट पॉइंट तक भेजा जाएगा। दूसरी संरचना कांजी हाउस के पास बनाई जाएगी, जबकि तीसरी ट्रीटमेंट संरचना मोक्षधाम क्षेत्र में तैयार की जाएगी। इसके बाद कचरा खंती के पास एक और प्रमुख ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जाएगा, जहां अंतिम स्तर पर पानी का उपचार किया जाएगा। नपा मुलताई के अधिकारियों का दावा है कि इस बहुस्तरीय प्रक्रिया के माध्यम से ताप्ती सरोवर और जलमार्ग में सीधे गंदे पानी के प्रवाह को काफी हद तक रोका जा सकेगा।

ओम साई कंस्ट्रक्शन को मिला निर्माण कार्य.- प्राप्त जानकारी के अनुसार इस परियोजना की डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) यश इंजीनियरिंग भोपाल द्वारा तैयार की गई है। वहीं योजना के निर्माण कार्य का ठेका ओम साई कंस्ट्रक्शन, छिंदवाड़ा को दिया गया है तथा अनुबंध प्रक्रिया भी पूर्ण हो चुकी है। नगर क्षेत्र में लंबे समय से ताप्ती जलमार्ग और सरोवरों में गंदे पानी के प्रवाह को लेकर नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा चिंता जताई जाती रही है। ऐसे में इस योजना को नगर के पर्यावरण एवं धार्मिक आस्था से जुड़े महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

इनका कहना -

ताप्ती सरोवर एवं जलमार्ग को गंदे पानी से मुक्त कराना परिषद की प्राथमिकता है। ताप्ती सरोवर एवं जलमार्ग गंदे पानी से मुक्त हो सके, यह हमारे लिए भावना से जुड़ा मुद्दा है। गंदा पानी सरोवर में न जाए, इसके लिए जो ट्रीटमेंट योजना स्वीकृत हुई है, हमारी परिषद का प्रयास रहेगा कि इसका सही क्रियान्वयन हो और ताप्ती जलमार्ग तथा सरोवर पूरी तरह स्वच्छ बन सकें।

सूख गए थे गांव के हैंडपंप, पानी के लिए भटके ग्रामीण, अब हर घर तक पहुंच रहा नलजल

कलेक्टर के निर्देश के बाद चिरापाटला, गवासेन और झिरियाडोह में बहाल हुई पेयजल व्यवस्था, महिलाएं दूर-दूर से ला रही थी पानी, अब गांवों में पहुंचने लगा नल का पानी

बैतूल। भीषण गर्मी के बीच बैतूल जिले के चिचोली तहसील के दूरस्थ ग्राम चिरापाटला, गवासेन और वन ग्राम झिरियाडोह में पेयजल संकट गहराने लगा था। हालात ऐसे थे कि ग्रामीणों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी पानी जुटाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। कहीं महिलाएं सुबह से बर्तन लेकर पानी की तलाश में निकल जाती थीं, तो कहीं ग्रामीणों को निजी साधनों से दूर जाकर पानी लाना पड़ रहा था। गांवों में पेयजल योजनाएं बंद पड़ी थीं, जबकि कुछ स्थानों पर बिजली समस्या के कारण पानी की सप्लाई प्रभावित हो रही थी। ग्रामीण लगातार प्रशासन से समस्या के समाधान की मांग कर रहे थे। इसके बाद कलेक्टर डॉ.सौरभ संजय सोनवणे ने स्वयं प्रभावित गांवों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने उन्हें पेयजल संकट की जानकारी दी, जिस पर कलेक्टर ने पीएचई के अधिकारियों और ग्राम पंचायतों को तत्काल व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए थे। पीएचई के अधिकारियों ने गंभीरता से चिरापाटला, गवासेन और झिरियाडोह में ग्रामीणों को पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की।

अब घर तक पहुंच रहा नल का पानी- भीषण गर्मी में जब पानी की एक-एक बूंद की कीमत बढ़ जाती है, तब चिचोली ब्लॉक के ग्राम गवासेन में रहने वाले दिव्यांग ऋषि राज शिवनकर और उनका परिवार हर दिन पानी के लिए संघर्ष कर रहा था। परिवार में पत्नी और बच्चे भी दिव्यांग होने के कारण उनकी मुश्किलें और बढ़ गई थीं। घर में नल कनेक्शन नहीं था और गांव में बिजली की समस्या के चलते जल आपूर्ति भी बाधित रहती थी। ऋषि राज ने बताया कि मजबूरी में उन्हें रोजाना डेढ़ से दो किमी दूर स्कूटी से पानी लाना पड़ता था। कलेक्टर साहब ग्राम गवासेन के भ्रमण पर पहुंचे। ग्रामीणों ने उनसे मिलकर पेयजल और बिजली की समस्या बताई। समस्या सुनते ही कलेक्टर ने ग्राम पंचायत और पीएचई विभाग के अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत की कार्रवाई के बाद उनके घर तक पाइपलाइन के माध्यम से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की गई।

चिरापाटला में बहने लगी नलजल धारा- चिरापाटला गांव में पिछले चार महीनों से पेयजल संकट ने ग्रामीणों की जिंदगी मुश्किल कर दी थी। सडक निर्माण कर रही कंपनी द्वारा पाइपलाइन टूट जाने के बाद गांव के घरों तक पानी पहुंचना बंद हो गया था। महिलाएं और बुजुर्ग हैंडपंपों से पानी ढोने को मजबूर थे, जबकि कुछ परिवार दूर-दराज से टैंकरों में पानी भरकर ला रहे थे। ग्रामीणों की यह परेशानी उस समय दूर हुई, जब कलेक्टर डॉ. सौरभ सोनवणे गांव के निरीक्षण पर पहुंचे। ग्रामीणों ने उन्हें आवेदन देकर पेयजल संकट से अवगत कराया। समस्या की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने मौके पर ही पीएचई विभाग को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। पीएचई विभाग की तत्परता का असर यह हुआ कि महज चार दिनों के भीतर नई पाइपलाइन डालकर गांव में फिर से पेयजल आपूर्ति शुरू कर दी गई।

संक्षिप्त समाचार

बिना कारण श्रमिकों को काम से न हटाएं : कलेक्टर डॉ. सोनवणे

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर डॉ.सौरभ सोनवणे ने शनिवार को अपर रेस्ट हाउस सारणी के सभाकक्ष में मध्यप्रदेश पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड सारणी एवं वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के मजदूरों से संबंधित समस्याओं के संबंध में विभागीय अधिकारियों, श्रमिक यूनियन के पदाधिकारियों एवं श्रम विभाग से चर्चा की। इस दौरान डब्ल्यूसीएल में श्रमिकों के खातों में भुगतान होने के पश्चात ठेकेदारों द्वारा नगद राशि उनसे वापिस लेने की शिकायत के मामले पर कलेक्टर डॉ.सोनवणे द्वारा उक्त एजेंसियो के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं सम्बन्धित विभागों के एच आर को भी ऐसी शिकायतों में जिम्मेदारी लेकर संबंधित एजेंसी को नोटिस देने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त श्रमिकों को बिना किसी कारणवश दबाव में कार्य से न निकाले जाने के लिए भी निर्देशित किया। इस दौरान कलेक्टर के समक्ष बालाजी एंटरप्राइज द्वारा एमपीपीजीसीएल सारणी में श्रमिकों के एरियर का भुगतान चेक के माध्यम से करने के लिए आश्वस्त किया गया एवं सभी ठेकेदारों को श्रमिकों का वेतन समय पर एवं आवश्यक रूप से वेतन पर्ची देने के निर्देश दिए गए। बैठक में एरिया प्लानिंग ऑफीसर पाथाखेड़ा डब्ल्यूसीएल श्री लक्ष्मीकांत चंद्रवंशी, एमपीजीसीएल चीफ इंजीनियर श्री एसके लिल्होरे उपस्थित रहे।

नगद इनाम की घोषणा

विदिशा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी के द्वारा थाना सिविल लाइन विदिशा में दर्ज अपराध क्रमांक 222/2026 की विभिन्न धाराओ के फरार आरोपी हिमांशु पुत्र शिव निवास शुक्ला निवासी होमगार्ड कार्यालय रोड हीरापुरा विदिशा की सूचना देने वालो को तीन हजार रूपए की नगद राशि देने की उद्घोषणा की है। सूचनाकर्ता चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

चितौरा ग्राम में भूमि सीमांकन कार्य संपन्न, आवेदक ने जताया संतोष

विदिशा (निप्र)। सिरोंज तहसील अंतर्गत ग्राम चितौरा में भूमि सीमांकन का कार्य राजस्व विभाग द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। तहसीलदार श्री संजय चौरसिया से प्राप्त जानकारी के अनुसार आवेदक सोहेल अहमद पुत्र जाहू रहमत की भूमि सर्वे नंबर 245/2, रकबा 1.822 हेक्टेयर का नियमानुसार सीमांकन किया गया। सीमांकन कार्य राजस्व अधिकारियों एवं संबंधित अमले की उपस्थिति में किया गया, जिसमें भूमि की सीमाओं का मौके पर सत्यापन कर चिन्हांकन किया गया। कार्यवाही के दौरान आवश्यक राजस्व अभिलेखों का अवलोकन करते हुए निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया गया। सीमांकन उपरांत आवेदक सोहेल अहमद ने कार्यवाही पर संतोष व्यक्त करते हुए राजस्व विभाग का आभार व्यक्त किया। प्रशासन द्वारा कहा गया कि भूमि संबंधी विवादों के निराकरण एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सीमांकन कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है।

सीएमएचओ ने दोराहा सीएचसी में ली सेक्टर स्तरीय अधिकारियों की बैठक

सीहोर (निप्र)। सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया द्वारा दोराहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सेक्टर स्तरीय स्वास्थ्य अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं एवं विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता एवं नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

प्रधानमंत्री आवास योजना से श्री नरेश कुमार शंकवार के पक्के घर का सपना हुआ साकार

सीहोर (निप्र)। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा गरीबों के कल्याण के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना भी उन्हीं योजनाओं में से एक है। इसके योजना के तहत गरीब परिवारों को पक्का मकान बनाने के लिए सहायता राशि प्रदान की जाती है। अपने सिर पर एक पक्की छत होना हर व्यक्ति का सपना होता है। स्वयं का पक्का मकान, जहां वह अपने परिजनों के साथ एक खुशहाल जीवन व्यतीत कर सकें। लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति के लिए पूरी जिन्दगी भर की पूंजी लगाने पर भी पक्का मकान बनाना संभव नहीं हो पाता। सीहोर के वार्ड क्रमांक 15 कोहली मोहल्ला निवासी श्री नरेश कुमार शंकवार ने सपने में भी नहीं सोचा था कि उनका अपना पक्का मकान होगा। श्री नरेश कुमार कहते हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके पक्के घर के सपने को साकार किया है। अब वह अपने परिवार के साथ बिना किसी परेशानी के प्रधानमंत्री आवास में रह रहे हैं। श्री नरेश कुमार ने बताया कि कच्चे घर में बारिश के मौसम में रहने में बहुत परेशानी होती थी। छत से पानी टपकने के साथ ही सांप, बिच्छू आदि जहरीले जीवों का घर में घुस जाने का डर हमेशा बना रहता था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना ने हमें इन सब चिंताओं से मुक्त कर दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास की स्वीकृति मिली और कुछ महीनों बाद घर बनकर तैयार हो गया। श्री नरेश कुमार शंकवार ने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद दिया हैं।

जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती वंदना जाट ने जनगणना जागरूकता के लिए एलईडी वैन को दिखाई हरी झंडी

बैतूल (निप्र)। भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत आमजन में जागरूकता बढ़ाने एवं जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बैतूल जिले में जनगणना कार्य निदेशालय से आई एलईडी जनजागरूकता वैन को अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती वंदना जाट ने हरी झंडी दिखाते हुए ग्रामीण एवं नगरीय चार्जों में रवाना किया गया। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ.सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशन में अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती वंदना जाट, जिला योजना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी श्री नरेंद्र गौतम, जनगणना कार्य निदेशालय से जिला प्रभारी श्री भरतलाल गौर, चार्ज अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका बैतूल श्री नवनीत पांडे तथा जिला जनगणना कार्यालय की टीम की उपस्थिति में जागरूकता वाहन ग्रामीण एवं नगरीय चार्जों में जनगणना 2027 के प्रचार प्रसार के लिए भेजा गया। जिला योजना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी श्री नरेंद्र गौतम ने बताया कि 'चलते-फिरते जनगणना सूचना केंद्र' के रूप में तैयार की गई यह एलईडी वैन जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर नागरिकों को जनगणना 2027 से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराएगी तथा उन्हें जनगणना कार्य में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करेगी। एलईडी वैन के माध्यम से नागरिकों को जनगणना कार्य की गोपनीयता, सही एवं प्रमाणिक जानकारी के महत्व आवश्यक संदेश प्रसारित किए जाएंगे।

जिला प्रशासन ने आमजन से आग्रह किया है कि वे अपने क्षेत्र में पहुंचने वाली जनजागरूकता वैन को अवश्य देखें तथा जनगणना 2027 से संबंधित जानकारी प्राप्त कर जागरूक नागरिक के रूप में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

यात्री बसों पर परिवहन विभाग की सख्त कार्रवाई

विदिशा (निप्र)। परिवहन आयुक्त के निर्देशों के पालन में जिला परिवहन विभाग द्वारा जिले में यात्री बसों एवं अन्य वाहनों के विरुद्ध विशेष जांच अभियान का संचालन किया जा रहा है। जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरिजेश वर्मा के नेतृत्व में ग्यारसपुर, बासौदा, कुरवाई एवं अशोकनगर रोड पर वाहनों की सघन चेकिंग की गई। जांच अभियान के दौरान कुल 24 वाहन नियमों का उल्लंघन करते पाए गए, जिनके विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। इनमें से 15 वाहनों से कुल एक लाख 28 हजार का शमन शुल्क वसूला गया। इस राशि में 8 यात्री बसों से वसूला गया 24 हजार का शमन शुल्क भी शामिल है। कार्यवाही के दौरान 9 वाहनों को विभिन्न अनियमितताओं के चलते जब्त किया गया।

सीएस ने वीसी के माध्यम से पीएचई विभाग के कार्यों की समीक्षा की

पेयजल व्यवस्था सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

विदिशा (निप्र)। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्थाओं की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गहन समीक्षा की। बैठक में सभी निकायों को पेयजल को प्राथमिकता देते हेतु ग्रीष्म ऋतु में कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान प्रमुख सचिव श्री जैन ने प्रदेश के विभिन्न निकायों में संचालित पेयजल योजनाओं, जल आपूर्ति व्यवस्था तथा ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी द्वारा दिए गए निर्देशों का समय-सीमा में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा आमजन को योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर मिले। विदिशा जिले के एनआईसी वीसी कक्ष में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ओपी सनोडिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले में संचालित पेयजल परियोजनाओं, जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रगति तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता की स्थिति पर चर्चा की गई।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने जिले में संचालित योजनाओं की अद्यतन जानकारी प्रस्तुत करते हुए बताया कि शासन के निर्देशानुसार सभी परियोजनाओं की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। साथ ही जलापूर्ति से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए मैदानी अमले को सक्रिय रखा गया है। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए पेयजल व्यवस्था में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो तथा खराब हैंडपंपों एवं जल स्त्रोतों के सुधार कार्य प्राथमिकता से पूर्ण किए जाएं। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया।

एसडीएम की अध्यक्षता में आगामी त्यौहारों के मद्देनजर शांति समिति बैठक आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सोहागपुर सुश्री प्रियंका भलावी तथा थाना प्रभारी की अध्यक्षता में आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस प्रशासन, नगर परिषद, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक बंधुओं, पत्रकार बंधु एवं शांति समिति के सदस्यों की उपस्थिति रही। बैठक के दौरान आगामी त्योहारों के अवसर पर कानून व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति एवं पेयजल व्यवस्था सहित विभिन्न आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही आपसी भाईचारा एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा नागरिकों से त्योहारों को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों एवं भ्रामक सूचनाओं से दूर रहने की अपील की गई। आयोजकों से निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने तथा किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल प्रशासन को सूचित करने का आग्रह किया गया। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

जनजातीय गरिमा उत्सव धरती आबा कार्यक्रम के तहत

'सबसे पहले सबसे दूर' अभियान अंतर्गत जनजातीय क्षेत्रों में जनसुनवाई आयोजित

83 आदि सेवा केंद्रों में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं, अधिकांश मामलों का मौके पर हुआ निराकरण

नर्मदापुरम (निप्र)। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जनजातीय समुदायों के विकास, उत्थान एवं विभिन्न विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जिले में 'सबसे पहले सबसे दूर' अभियान का संचालन 18 मई 2026 से 25 मई 2026 तक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत दूरस्थ जनजातीय ग्रामों तक पहुंचकर आदि सेवा केंद्रों के माध्यम से जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हिमांशु जैन के मार्गदर्शन में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री विवेक नागवंशी एवं सहायक संचालक जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती आशा मौर्य के द्वारा जिले में भी 19 मई से 23 मई तक जनजातीय बहुल क्षेत्रों में विशेष जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जिले के सभी 83 आदि सेवा केंद्रों में विभागीय अधिकारियों, ब्लॉक नोडल, ग्राम नोडल, आदि साथी एवं आदि सहयोगियों द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। प्राप्त आवेदनों में से अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष आवेदनों पर शीघ्र कार्रवाई कर निराकरण का आश्वासन संबंधित विभागों द्वारा दिया गया। जनसुनवाई के दौरान वन अधिकार पट्टे, आधार कार्ड, समग्र आईडी, पेंशन प्रकरण, जाति प्रमाण पत्र, शिक्षा एवं विभिन्न सामुदायिक समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। इसके साथ ही कार्यक्रमों के दौरान वृक्षारोपण एवं स्वास्थ्य परीक्षण जैसी जनकल्याणकारी गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के सफल एवं गरिमामय आयोजन में जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जनभागीदारी के अंतर्गत संचालित इस अभियान में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हिमांशु जैन, सहायक आयुक्त श्री विवेक नागवंशी, क्षेत्र संयोजक श्री हर्षित कौरव एवं सहायक संचालक श्रीमती आशा मौर्य का विशेष मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज नई दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से उनके निवास पर पुष्प-गुच्छ भेंट कर शिष्टाचार भेंट की।

प्रदेश के 45 शहर हीटवेव की चपेट में

5 में लू का रेड अलर्ट, 28 मई को प्री-मानसून की दस्तक, 14 जिलों में पानी गिरेगा

भोपाल (नप्र)। अबकी बार नौतपा की शुरुआत आंधी-बारिश के साथ हुई है। आज दूसरे दिन मंगलवार को निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना और सतना में तीव्र लू का रेड अलर्ट है। अभी छतरपुर के दो शहर-खजुराहो और नौगांव सबसे गर्म बने हुए हैं। यहां पारा लगातार 45 डिग्री के पार बना हुआ है।

भोपाल-ग्वालियर समेत कुल 45 जिले हीटवेव की चपेट में रहेंगे। इंदौर, नर्मदापुरम में भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। मौसम केंद्र की मानें तो 28 मई को प्री-मानसून की दस्तक के संकेत हैं। इस दिन उत्तरी और दक्षणी 14 जिलों में पानी गिरने का अलर्ट है।

नौतपा के पहले दिन सोमवार को भोपाल, उमरिया-दमोह समेत 15 से ज्यादा जिलों में भीषण गर्मी और बारिश वाला मौसम रहा।

नौतपा के दूसरे दिन भोपाल में सुबह से ही तेज धूप और गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। दिन चढ़ने के साथ धूप और तीखी हो गई, जिससे आमजन खासे परेशान नजर आए। गर्म हवाओं और तेज तपिश के कारण लोगों को बाहर निकलने में दिक्कत हो रही है।

धार में दोपहर होते ही सड़कों पर पसरा सन्नाटा

धार शहर में भीषण गर्मी का असर लगातार बना हुआ है। सुबह तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, लेकिन दोपहर होते-होते पारा 42 से 43 डिग्री तक पहुंच रहा है। तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

स्थिति यह है कि दिन में बाहर निकलना लोगों के लिए मुश्किल हो रहा है। बढ़ती गर्मी के कारण दोपहर के समय बाजारों और सड़कों पर भी सन्नाटा नजर आ रहा है।

ग्वालियर में धूप से बचने छांव तलाश रहे लोग

ग्वालियर में गर्मी अपने चरम पर पहुंच गई है। दोपहर के समय हालात ऐसे हैं कि लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। जो लोग जरूरी काम से बाहर निकल रहे हैं, वे तेज धूप और गर्म हवाओं से परेशान नजर आ रहे हैं। रेलवे स्टेशन पर भी ट्रेन का इंतजार कर रहे यात्री इधर-उधर छांव तलाशते दिखाई दे रहे हैं। शहर में तापमान 44 डिग्री के पार जाने की संभावना जताई जा रही है, जिससे लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

अशोकनगर में 44 डिग्री पारा दोपहर में खाली हुईं सड़कें

नौतपा के दूसरे दिन अशोकनगर में गर्मी ने लोगों की दिनचर्या बदल दी। मंगलवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान 31 डिग्री दर्ज किया गया। सुबह 10 बजे से ही तेज धूप और गर्म हवाओं का असर शुरू हो गया। दोपहर होते-होते सड़कों पर लोगों और वाहनों की आवाजाही आधे से भी कम रह गई। अत्यधिक गर्मी के चलते लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। बाहर निकलने वाले लोग चेहरे को गमछे और दुपट्टे से ढककर सफर कर रहे हैं। सड़कें भट्टी की तरह तप रही हैं और शाम तक गर्म हवाएं चल रही हैं। वहीं, मोबाइल फोन पर भी हीट अलर्ट के मैसेज मिल रहे हैं, हालांकि इनमें अशोकनगर जिले का नाम शामिल नहीं है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पुस्तक 'अपनापन - नरेंद्र मोदी संग मेरे अनुभव' के विमोचन समारोह में शामिल हुए।

ईद के चलते एमसीयू की 28 मई की परीक्षाएं टलीं

अब 7 जून को होंगी, पुराने एडमिट कार्ड मान्य, पीएचडी इंटरव्यू की तारीखों में भी संशोधन

भोपाल (नप्र)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय की 28 मई को प्रस्तावित परीक्षाएं अब स्थगित कर दी गई हैं। ईदुज्जुहा (बकरीद) के अवसर पर केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय लिया है।

विश्वविद्यालय द्वारा जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, 28 मई को होने वाली सभी परीक्षाएं अब 7 जून 2026 (रविवार) को आयोजित की जाएंगी। यह बदलाव विश्वविद्यालय परिसर सहित प्रदेश के सभी परीक्षा केंद्रों पर लागू होगा, जहां एमसीयू की परीक्षाएं संचालित हो रही हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए नए प्रवेश पत्र जारी नहीं किए जाएंगे। परीक्षार्थी अपने पूर्व में जारी एडमिट कार्ड के आधार पर ही परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। विश्वविद्यालय ने छात्रों और संबंधित अध्ययन संस्थानों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार के भ्रम से बचने के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर संशोधित परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी अवश्य देखें।

इधर, पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया में भी आंशिक बदलाव किया गया है। पहले 28-29 मई को प्रस्तावित साक्षात्कार अब 29-30 मई को होंगे। 29 मई के साक्षात्कार पूर्ववत रहेंगे, जबकि 28 मई को निर्धारित अभ्यर्थियों के इंटरव्यू अब 30 मई को आयोजित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के इस निर्णय से हजारों विद्यार्थियों को राहत मिलेगी, जिन्हें अवकाश के चलते परीक्षा में शामिल होने में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता था।

मप्र में 1 रू. प्रति किलो महंगी हुई सीएनजी

भोपाल में 94.75 रुपए पहुंची कीमत; 10 दिन में दूसरी बार रेट बढ़े

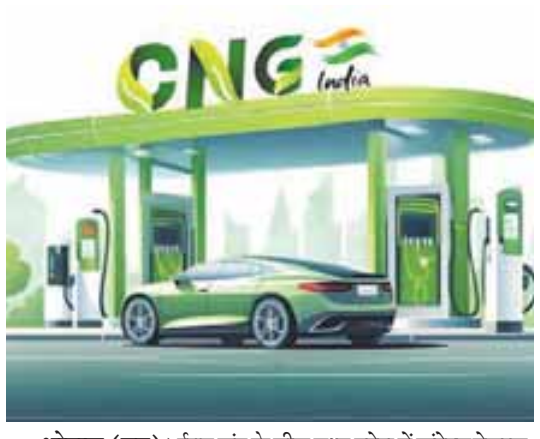

भोपाल (नप्र)। ईरान जंग के बीच मध्य प्रदेश में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस यानी, सीएनजी के रेट 10 दिन में दूसरी बार बढ़े हैं। भोपाल में यह 1 रुपए प्रति किलो तक महंगी कर दी गई है। अब यह 94.75 रुपए प्रतिकिलो में मिल रही है।

इससे पहले 16 मई को करीब 3 रुपए प्रतिकिलो रेट बढ़े थे। फिलहाल थिंक गैस एजेंसी ने कीमतें बढ़ाई हैं। इसकी सप्लाई भोपाल समेत आसपास के जिलों में है। दो महीने में यह तीसरी बार बढ़ोतरी की गई है। तीन बार में सीएनजी 6 रुपए किलो तक महंगी हुई है।

प्रदेश में 3 कंपनियों की सप्लाई

मध्य प्रदेश में 3 गैस एजेंसियां- थिंक, गेल और अवंतिका सीएनजी की सप्लाई करती हैं। भोपाल, सीहोर, राजगढ़, शिवपुरी, विदिशा समेत आसपास के जिलों में थिंक कंपनी सप्लाई करती है, जबकि इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर संभाग में अवंतिका की सप्लाई है। गेल कंपनी की भी कई जिलों में सप्लाई है।

सीएम के लिए प्रशासन ने 44 डिग्री तापमान में ट्रैफिक रोका तो गुस्से में जनता ने बजाए हॉर्न, संभालना हुआ मुश्किल

सिंगरौली (नप्र)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सीएम मोहन यादव दो दिन पहले सिंगरौली दौरे पर गए थे। उनके दौरे को लेकर प्रशासन ने ट्रैफिक रोका था। 44 डिग्री तापमान में सड़क पर खड़े लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। इसके बाद लोगों ने हॉर्न बजाने शुरू कर दिए। साथ ही कहने लगे कि यह वीआईपी कल्चर खत्म हो।

वीआईपी कल्चर के खिलाफ गुस्सा

दरअसल, वीआईपी कल्चर के खिलाफ सिंगरौली के लोगों ने खुलकर मोर्चा खोल दिया। मुख्यमंत्री के काफिले के लिए आम जनता को 44 डिग्री की भीषण गर्मी में घंटों सड़क पर रोक दिया गया, जिसके बाद लोगों का सब्र टूट गया। सैकड़ों वाहनों के हॉर्न एक साथ गूंज उठे। पूरा शहर मानो कह रहा था कि अब बस बहुत हो गया वीआईपी कल्चर!

सीएम के रूट पर रोकी गई थीं गाड़ियां

सीएम मोहन यादव के काफिले को निकालने के लिए पुलिस ने जगह-जगह बैरिकेडिंग कर आम लोगों की आवाजाही रोक दी। नौकरी, इलाज, परीक्षा और जरूरी कामों से जा रहे लोग धूप में तड़पते रहे, लेकिन वीआईपी मूवमेंट नहीं रुका। गर्मी से परेशान लोगों ने सड़क पर ही हॉर्न बजाकर अपना विरोध दर्ज कराया। कई लोग पुलिस और प्रशासन पर भेदभावपूर्ण रवैये का आरोप लगाते नजर आए।

कब तक होंगे परेशान- लोगों का कहना है कि आखिर जनता कब तक नेताओं के काफिलों के लिए सड़क पर बंधक बनती रहेगी? एक तरफ सरकार जनता की सुविधा की बात करती है, दूसरी तरफ वीआईपी मूवमेंट के नाम पर आम आदमी को घंटों परेशान किया जाता है। लोगों ने साफ कहा कि सुरक्षा जरूरी है, लेकिन जनता को प्रताड़ित करके नहीं। नेताजी एसी में बैठकर ठंडा पी रहे हैं और इतनी पब्लिक परेशान है। हमारा वीडियो बना लो, हमें डर नहीं है।

बिहार में भी हुआ था प्रोटेस्ट- बिहार में वीआईपी काफिले के खिलाफ हुए हॉर्न प्रोटेस्ट के बाद अब सिंगरौली में भी उसी तरह का गुस्सा देखने को मिला है। हालांकि प्रशासन ने किसी तरह लोगों को शांत कराया, लेकिन इस घटना ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या नेताओं की सुविधा आम जनता की जिंदगी और समय से ज्यादा अहम हो गई है?

गुना के बूढ़े बालाजी मंदिर में पूजा कर रहे पुजारी के गले में डाला फंदा

गर्भगृह से घसीटकर बाहर फेंका, कपाट पर जड़ा ताला

गुना (नप्र)। मध्यप्रदेश के गुना शहर में धार्मिक आस्था के सबसे बड़े केंद्र बूढ़े बालाजी मंदिर परिसर से एक रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो सामने आया है। मंदिर के गर्भगृह में भगवान की पूजा-आरती करने पहुंचे नवनियुक्त पुजारी सुरेश शर्मा के साथ पुरानी समिति के पूर्व पदाधिकारियों ने तालिबानी क्रूरता की। वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि कुछ दबंग लोग भगवान की भक्ति में लीन पुजारी के गले में गमछे

का फंदा डालकर उन्हें बेरहमी से घसीटते हुए मंदिर से बाहर ले जा रहे हैं। इस दौरान पीड़ित पुजारी हमलावरों के आगे हाथ जोड़कर रहम की भीख मांगते रहे। इस अमानवीय कृत्य के बाद पूरे गुना की धर्मप्राण जनता में भारी आक्रोश है।

लोकतांत्रिक चुनाव के बाद बढ़ा विवाद

कलेक्ट्रेट और एसपी दफ्तर पहुंचे नवनिर्वाचित प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश बंसल और सचिव रामकृष्ण श्रीवास्तव ने बताया कि 28 अप्रैल 2026 को सर्वसम्मति से नई समिति का गठन हुआ था। नई कमेटी ने 24 मई को सुरेश शर्मा को आधिकारिक तौर पर मुख्य पुजारी नियुक्त किया था। लेकिन जब वे रविवार को पूजा करने पहुंचे, तो पुरानी समिति के पूर्व अध्यक्ष गजानंद अवस्थी, उनके बेटों, पोतों और पुराने पुजारी ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। गुंडागर्दी यहीं नहीं रुकी, आरोपी मंदिर के कपाट बंद कर चाबियां अपने घर ले गए, जिससे रविवार रात श्रद्धालु दर्शन से वंचित रह गए।

करोड़ों की संपत्तियों के गबन और अवैध कब्जों का आरोप

इस पूरे बवाल के पीछे मंदिर ट्रस्ट पर सालों से काबिज रहे पूर्व पदाधिकारियों की तानाशाही और वित्तीय अनियमितताएं सामने आई हैं। नई समिति के मुताबिक, पूर्व समिति ने साल 2015-16 से लेकर 2025-26 तक के पिछले दस सालों का कोई आय-व्यय का ब्यौरा नहीं दिया है। मंदिर ट्रस्ट की कुल 18 दुकानों में से कीमती दुकानें मनमाने तरीके से अपने रिश्तेदारों और पौत्रों को रेवड़ियों की तरह बांट दी गईं। इसके अलावा मानस भवन की लाखों रुपये की आमदनी और परिसर के हरे-भरे पेड़ों को अवैध रूप से काटकर बेचने के गंभीर आरोप भी पूर्व अध्यक्ष पर लगे हैं, जिसकी जांच एसडीएम कार्यालय में लंबित है। नई समिति ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपियों पर तत्काल एफआईआर दर्ज नहीं हुई, तो सकल समाज उग्र आंदोलन करेगा।

मैहर में जमीन विवाद में पड़ोसी ने महिला को छत से नीचे फेंका, दोनों घुटने टूटे

मैहर (नप्र)। एमपी में मैहर जिले के नादन थाना क्षेत्र अंतर्गत जरियारी गांव से एक वीडियो सामने आया है। यहां पुराने जमीनी विवाद को लेकर एक दबंग पड़ोसी ने घर की छत पर चढ़कर पहले महिला के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की और फिर उसे बेरहमी से छत से नीचे धक्का दे दिया। मंगलवार सुबह इस पूरी वारदात का लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

छत से महिला को फेंक दिया नीचे

जब ममता पटेल ने गालियों का विरोध किया तो आरोपी ने आव देखा न ताव, पास ही पड़े डंडे से महिला पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इतने से भी जब आरोपी का मन नहीं भरा तो उसने महिला को छत से नीचे धक्का दे दिया। महिला सीधे सीढ़ियों और पत्थरों से होते हुए करीब 12-15 फीट नीचे जमीन पर जा गिरी। इस खौफनाक हादसे में महिला के दोनों घुटने टूट गए हैं और सिर में गंभीर चोटें आई हैं।

चीख-पुकार सुनकर दौड़े लोग

छत से गिरते ही महिला दर्द से बुरी तरह चीखने-चिल्लाने लगी। उसकी आवाज सुनकर गांव के हनुमानदीन पटेल, प्रदीप पटेल और मदन पटेल तुरंत मौके पर भागे और बीच-बचाव कर महिला की जान बचाई। नीचे मौजूद लोगों ने लहूलुहान हालत में महिला को उठाया और तत्काल अस्पताल भिजवाया।

महिला ने दर्ज कराई शिकायत

पीड़ित महिला ममता पटेल (35 वर्ष), पति राजेन्द्र प्रसाद पटेल, निवासी ग्राम जरियारी ने नादन थाने में आपबीती सुनाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने बताया कि घटना 23 मई की सुबह करीब 6 बजे की है। वह रोज की तरह अपने घर की छत पर काम कर रही थी। चूंकि दोनों घरों की छतें आपस में जुड़ी हुई हैं, इसी का फायदा उठाकर पड़ोसी रमेश पटेल भी वहां पहुंच गया। जमीन बंटवारे की रंजिश को लेकर आरोपी रमेश अचानक तमतमा गया और महिला के साथ गंदी-गंदी गालियां देते हुए विवाद करने लगा।